संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-168 ◆ रायपुर, बुधवार 20 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

नक्सल ऑपरेशन में मिल रही सफलता की पूरे देश में हो रही प्रशंसा : साय

जवानों के आग्रह पर सीआरपीएफ कैंप सेडवा में मुख्यमंत्री ने किया रात्रि विश्राम

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सीआरपीएफ के जवानों से कहा कि पिछले 11 महीनों के दौरान आप लोगों ने जिस तरह नक्सली आतंक को खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक सफ्लताएं हासिल की हैं, उसकी पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। आप लोग परिवार से दूर रहकर और सुख-सुविधाओं को त्याग कर बस्तर के विकास में जो योगदान दे रहे हैं, उससे आप लोगों ने यहां के जनजातीय समुदायों के हृदय में अपने लिए हमेशा हमेशा के लिए जगह बना ली है। श्री साय बस्तर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सेडवा कैंप में जवानों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के अचानक सीआरपीएफ कैंप पहुंचने पर आश्चर्यमिश्रित खुशी के साथ ही जवानों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुरक्षा बलों के जवानों से आत्मीयतापूर्वक संवाद करते हुए कहा कि जब मैं बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में चित्रकोट आया था, तो मेरी बड़ी इच्छा थी कि मैं आप सब जवानों से मिलूं। पिछले 11 महीनों में छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर जो सफ्लता मिली है, उसमें आप सभी का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान है। मैं आप सभी के साहस को नमन करता हूं। नक्सल अभियान में आप सभी को जो सफ्लता मिल रही है, उसकी पूरे देश में प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से जब भी मेरी मुलाकात होती है तो वे नक्सल अभियान में छत्तीसगढ़ को मिल रही सफ्लता का जिक्र जरूर करते हैं। गृह मंत्री श्री अमित शाह का नक्सल ऑपरेशन में सतत मार्गदर्शन और सहयोग मिलते रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में हमने नक्सलवाद को वर्ष 2026 तक समूल नष्ट करने का संकल्प लिया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह का भी यही संदेश है। बस्तर में पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने अल्प अवधि में ही 200 से ज्यादा नक्सलियों को ढेर कर दिया है। 740 से ज्यादा माओवादी कैडर्स ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वे हिंसा त्याग कर लोकतंत्र की मुख्य धारा में शामिल हो गए हैं। शासन ने हिंसा का त्याग करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए ऐसी नीति बनाई है कि आने वाले दिनों में और भी बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे।

सुरक्षा बल के जवानों द्वारा कैंप में रात्रि विश्राम करने के आग्रह पर उन्होंने कैंप में रात्रि विश्राम भी किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दंतेवाड़ा में बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय और परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आज का पंचांग

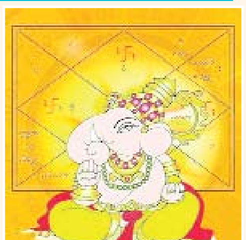

तिथि: पंचमी
नक्षत्र : पुनर्वसु
प्रथम करण : तैतिल
द्वितीय करण : गारा
पक्ष : कृष्ण
वार : बुधवार
योग : शुभा
सूर्योदय : 06:51
सूर्यास्त : 17:22
चंद्रमा : मिथुन
राहुकाल: 12:06 - 13:24
विक्रमी संवत् : 2081
शक संवत : 1946
मास : मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

लॉरेंस का भाई अनमोल बिश्नोई अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। अभी तक अमेरिका ने आधिकारिक रूप से अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी की सूचना नहीं दी है, लेकिन भारत की जांच एजेंसियों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। इस साल अप्रैल में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग और 12 अक्टूबर को राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में अनमोल बिश्नोई का नाम आया था। हाल ही में एनआईए ने भी अनमोल बिश्नोई को मोस्ट वांटेड बताते हुए उसके ऊपर 10 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी। पिछले महीने कनाडा में आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला की गिरफ्तारी के बाद अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी को एजेंसियां काफी अहम मान रही हैं। माना जाता है कि अनमोल कनाडा में रहता है और अक्सर अमेरिका आता-जाता रहता है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, अनमोल बिश्नोई को चार-पांच दिन पहले कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया है।

पेंशनर सम्मान महोत्सव आज

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग के अंतर्गत संचार लेखा के प्रधान नियंत्रक कार्यालय ने दिल्ली ने 20 नवम्बर, 2024 से संचार लेखा भवन, प्रसाद नगर, नई दिल्ली में पेंशनर सम्मान महोत्सव आयोजित करने की घोषणा की है। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य दूरसंचार पेंशनभोगियों के कल्याण और खुशहाली को बढ़ाना है, जिसमें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सूचनात्मक और आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है। पेंशनभोगी सम्मान महोत्सव एक अनूठी पहल है।

तीसरी आंख

दिनदहाड़े व्यापारी से उठाईगिरी एक लाख नगद ले उड़े आरोपी

बलरामपुर। एसपी कार्यालय के पास स्थित व्यस्त बाजार से दिनदहाड़े उठाईगिरी का मामला सामने आया है. एक व्यापारी साप्ताहिक बाजार जाने के लिए अपनी इको वाहन से निकला. इस दौरान एक किराना दुकान के पास सामान लेने के लिए वह रुका तभी अज्ञात आरोपियों ने वाहन से नगदी एक लाख रुपये ले उड़े. इसके साथ ही आरोपी खाता-बही भी ले गए है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है. वहीं पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है. जानकारी के अनुसार, यह घटना आज सुबह करीब 11 बजे तब हुई, जब रामानुजगंज का व्यापारी आनंद केसरी अपनी इको वाहन में साप्ताहिक बाजार जाने के लिए निकला था. वह रास्ते में बलरामपुर स्थित भोला किराना के पास सामान लेने के लिए रुका. इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने 10 मिनट के अंदर उसकी वाहन से एक लाख रुपये और खाता-बही ले उड़े. घटना के बाद व्यापारी ने तुरंत कोतवाली थाने में इसकी सूचना दी. मामले की सूचना के बाद पुलिस तुरंत जांच शुरू कर दी और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है. फिलहाल, आरोपियों का अब तक पता नहीं चल पाया है, पुलिस जांच में जुटी हुई है.

मामले में कोतवाली प्रभारी भापेंद्र साहू से बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. पीड़ित व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है. आस पास के सीसीटीवी का भी सहारा पुलिस ले रही है. अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा.

दिल्ली में कोहरे का कोहराम, 80 से ज्यादा ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। ट्रेनों के परिचालन पर कोहरे का असर जारी है। कम विजिबिलिटी के कारण मंगलवार को कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। दिल्ली आने-जाने वाली ट्रेनों पर काफी असर देखा जा रहा है। दिल्ली में भारी प्रदूषण के चलते यहां विजिबिलिटी कम है। यात्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों की देरी से चलने की लगातार शिकायत कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों से कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मंगलवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली का औसत AQI 494 रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन में सर्वाधिक है। यानी राजधानी में आज सीजन की सबसे खराब हवा रही। कोहरे के कारण ट्रेनों की रफ्तार धीमी पड़ जाती है।

एआई कंपनियों के लिए जल्द आ सकती है आचार संहिता : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम करने वाली कंपनियों के लिए जल्द ही आचार संहिता जारी कर सकती है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस दिशा में काम कर रहा है और नए साल के आरंभ में आचार संहिता जारी हो जाएगी। मंत्रालय चाहता है कि लोकतांत्रिक तरीके से अधिक से अधिक सामाजिक कल्याण के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाए, क्योंकि एआई के दुरुपयोग की भी आशंका है। आने वाले समय में शिक्षा, प्रशासनिक ढांचे से लेकर उद्योग तक में व्यापक रूप से एआई का इस्तेमाल होने वाला है। भारत के एआई मिशन में कंप्यूटिंग क्षमता, डाटासेट एक्सेस, कौशल निर्माण पहल और नैतिक शासन ढांचा निर्माण जैसी चीजें मुख्य रूप से शामिल है। एआई कंपनियों पर आचार संहिता को लागू करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं होगी और यह उनकी इच्छा पर निर्भर करेगी। अभी एआई को लेकर देश में कोई समग्र कानून नहीं है और इस पर कानून लाने में अभी कुछ समय लग सकता है।

धान खरीदी: 3 दिन में आंकड़ा 3 लाख टन पार

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि 14 नवम्बर से अब तक मात्र तीन दिन की खरीदी में राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का आकड़ा 3 लाख टन के पार पहुंच गया है। मंत्री बघेल ने कहा कि धान खरीदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश के पंजीकृत किसानों से 2739 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीद रही है। चालू विपणन वर्ष में 160 लाख टन धान उपार्जन का अनुमान है। देव-दीवाली 14 नवंबर से शुरू हुए धान खरीदी महापर्व के 6वें दिन तक 3.09 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य के 68,668 किसान अब तक धान बेच चुके हैं। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत् 502.53 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह महाअभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। खाद्यमंत्री बघेल ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में आज 20,296 किसानों से 93 हजार 581 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। राज्य में धान बेचने के लिए इस साल 27.68 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें 1.42 लाख नए किसान शामिल है।

महाराष्ट्र को गुजरात बनाना चाहती है केंद्र सरकार : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए कल वोटिंग होने वाली है। राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक साथ वोटिंग हो गई। इससे पहले चुनाव प्रचार का दौर समाप्त हो गया। वहीं शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा है कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र को गुजरात बनाना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये लड़ाई महाराष्ट्र को गुजरातियों के अतिक्रमण से बचाने की है। उन्होंने गुजरात और दिल्ली से भेजे गए बीजेपी कार्यकर्ताओं का जिक्र करते हुए कहा कि ये लोग चुनाव को प्रभावित करेंगे। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले संजय राउत ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि कल होने जा रहे महाराष्ट्र चुनाव को गुजरात और दिल्ली से भेजे गए बीजेपी कार्यकर्ता प्रभावित करेंगे। उन्होंने महाराष्ट्र के सोलापुर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए ये बात कही। वहीं संजय राउत ने बीजेपी नेता पंकजा मुंडे के बयान का हवाला देते हुए कहा कि, अब महाराष्ट्र में अदानी के बाद बाकी गुजरातियों का अतिक्रमण बढ़ेगा।

धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने बताया हमेशा रहता है प्यार का नूर

मुंबई,। फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिंग हो या डांसिंग स्किल वास्तव में धक धक गर्ल की एक अलग ही पहचान बनी हुई है। सोशल मीडिया को खूबसूरत पोस्ट से गुलजार रखने वाली अभिनेत्री ने एक बार फिर से अपनी बेहद हसीन तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। गोल्डन आउटफिट में उनका लुक कमाल का लग रहा है।

देवदास की चंद्रमुखी ने अपनी खूबसूरत तस्वीरों की झलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का सहारा लिया। गोल्डन आउटफिट में तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा सोने की चमक कुछ पल की है, प्यार का नूर तो हमेशा का है। शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी कमाल की लग रही हैं। एक से बढ़कर एक हिट फिल्में देने वाली अभिनेत्री की तस्वीरों को उनके फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं। गोल्डन आउटफिट वाली माधुरी दीक्षित की तस्वीरों पर कमेंट कर उनके एक फैन ने लिखा, आप एवरग्रीन हैं। एक अन्य ने लिखा कमाल है। दूसरे ने लिखा आप हर लुक में खूबसूरत लगती हैं। माधुरी दीक्षित का इंस्टाग्राम उनकी एक से बढ़कर एक खूबसूरत तस्वीरों से भरी पड़ी है। अभिनेत्री वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल, हर लुक में कमाल लगती हैं और एवरग्रीन अभिनेत्री के हर लुक को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं।

बता दें कि हाल ही में अभिनेता अनिल कपूर ने 'तेजाब' के 36 साल पूरे होने का जश्न सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर कर मनाया। अभिनेता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कुछ लोग एक दो तीन चार' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। तेजाब में अनिल कपूर के साथ लीड रोल में माधुरी थीं और फिल्म का एक-दो-तीन गाना आज भी लोगों की जुबान पर है।

डॉक्यूमेंट्री विवाद से पहले भी कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं नयनतारा

मुंबई, । साउथ के साथ बॉलीवुड में अपनी शानदार एक्टिंग और खूबसूरती से छाई अभिनेत्री नयनतारा 40वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री का डॉक्यूमेंट्री विवाद भी छाया हुआ है। इससे पहले भी लेडी सुपरस्टार कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं ।

बात साल 2014 की है, जब नयनतारा का एक एमएमएस लीक हो गया था। इस वीडियो में नयनतारा एक्टर सिंबू को किस करती नजर आ रही थीं। यह वीडियो जमकर वायरल हुआ था।

इससे पहले नयनतारा ने एक इवेंट में ब्राउन कलर की स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहनकर ग्लैमरस अंदाज में शिरकत की थी। अभिनेत्री को बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। हालांकि, फिल्म जगत के तमाम सितारों ने अभिनेत्री का समर्थन किया और ट्रोलर्स को जमकर खरी खोटी सुनाई थी।

नयनतारा का वर्तमान में डॉक्यूमेंट्री विवाद सुर्खियों में छाया हुआ है। अभिनेत्री की जिंदगी पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर लेडी सुपरस्टार नयनतारा और धनुष के बीच भी तकरार बढ़ती जा रही है।

दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में फिल्म नानम राउडी धान का एक गाना डालने पर प्रोड्यूसर और एक्टर धनुष ने नोटिस दिया है। नानम राउडी धान फिल्म के प्रोड्यूसर धनुष थे। जिस पर अभिनेत्री ने धनुष को जमकर खरी खोटी भी सुनाई और सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन, मेरे प्यार और शादी के बारे में इस नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में इंडस्ट्री के कई दोस्तों के क्लिप शामिल हैं, जिन्होंने अपना सहयोग दिया है,

लेकिन दुख की बात है कि इसमें सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म नानम राउडी धान शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि दो साल तक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के लिए अभिनेता से जूझने और डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए उनकी मंजूरी का इंतजार करने के बाद टीम ने आखिरकार फिर से एडिटिंग करने और मौजूदा वर्जन के लिए समझौता करने का ।

टाइगर श्रॉफ ने की 'बागी 4' की घोषणा, सितंबर 2025 में होगी रिलीज

मुंबई, । बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ ने अपनी अपकमिंग बागी फ्रेंचाइजी की घोषणा कर दी है। ए हर्ष के निर्देशन में बन रही यह एक्शन फिल्म 5 सितंबर, 2025 को स्क्रीन पर आएगी। टाइगर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया। फिल्म के फर्स्ट लुक को देखकर ऐसा लग रहा है कि टाइगर इस फिल्म में

थोड़े अलग नजर आने वाले हैं, क्योंकि वह एक खूनी मिशन पर काम कर रहे हैं। पोस्टर में अभिनेता एक चाकू और शराब की बोतल के साथ टॉयलेट सीट पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। पूरी दीवार, फर्श और उनके चेहरे पर खून के निशान हैं। पोस्टर में फर्श पर पड़े कुछ मरे हुए लोगों को भी दिखाया गया है।

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक काली आत्मा, एक खूनी मिशन। इस बार वह पहले जैसा नहीं है। फिल्म के निर्देशक की बात करें तो वह कन्नड़ फिल्म बिरुगाली, चिंगारी, भजरंगी, अंजनी पुत्र और वेधा बनाने के लिए जाने जाते हैं। बागी एक एक्शन थ्रिलर है। यह सबसे पहले 2016 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। यह 2004 की तेलुगु फिल्म वर्षम का रीमेक थी। वहीं क्लाइमेक्स 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म द रेड- रिडेम्पशन से प्रेरित है। इस फिल्म में टाइगर, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू थे। अहमद खान द्वारा निर्देशित बागी 2 2018 में रिलीज हुई थी। यह तेलुगु फिल्म क्षणम की रीमेक थी। इसमें टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, दर्शन कुमार, प्रतीक बब्बर, रणदीप हुड्डा, दीपक डोबरियाल और अराव्या शर्मा थे।

फरहान अख्तर स्टारर '120 बहादुर' का पोस्टर आउट, हाथ में बंदूक लिए देशभक्ति में डूबे दिखे अभिनेता

मुंबई, । फिल्म इंडस्ट्री के मंझे हुए अभिनेता फरहान अख्तर की आगामी फिल्म 120 बहादुर का पोस्टर आउट हो चुका है। रेजांग ला लड़ाई की 62वीं वर्षगांठ पर अभिनेता ने पोस्टर शेयर कर 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा 1962 को 62 साल हो चुके हैं। आज हम रेजांग ला के वीरों के अद्वितीय साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं। 120 बहादुर, मेजर शैतान सिंह और उनके जवानों की वीरता और अदम्य साहस को श्रद्धांजलि है। ये 120 बहादुर कई बाधाओं के बावजूद अपनी जमीन पर डटे रहे, उनकी कहानी समय के साथ गूंजती है और हमें स्वतंत्रता की कीमत और एकता के ताकत की याद दिलाती है।

अभिनेता ने अहीर समुदाय का उल्लेख करते हुए आगे कहा अहीर समुदाय को विशेष सलाम, जिनके

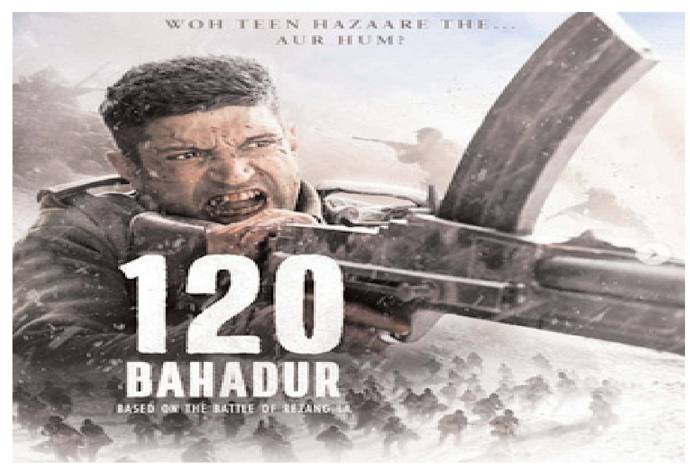

बेटों ने हमारे देश की रक्षा में बेजोड़ बहादुरी दिखाई। 1962 के भारत-चीन युद्ध के इस महत्वपूर्ण अध्याय के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि।

अभिनेता ने फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया, जिसमें वह बंदूक थामे हैं और उनके मुंह पर खून लगा हुआ है। पोस्टर में लिखा है वह तीन हजार थे और हम?

अभिनेता ने बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में साल 2025 में रिलीज के लिए तैयार है। हैशटैग के साथ उन्होंने आगे लिखा रेजलांग युद्ध, रेजांगला की लड़ाई, रेजांगला शहीद दिवस, 120 बहादुर, भारत के नायक, साहस और बलिदान की याद, अहीर समुदाय। 18 नवंबर, 1962 को लद्दाख की बर्फीली पहाड़ियों पर चार्ली कंपनी के 120 सैनिकों ने 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का सामना किया। देश के वीर आखिरी दम तक साहस के साथ डटे रहे और देश की रक्षा की। बहादुरों के साहस और दृढ़ संकल्प ने रेजांग ला को भारतीय सैन्य के इतिहास में बलिदान और वीरता का एक स्थायी प्रतीक बना दिया। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो द्वारा निर्मित 120 बहादुर फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रजनीश रजी घई ने किया है, जिसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी ने किया है। इस बीच फरहान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह तूफान, रॉक ऑन, जैसी फिल्मों में एक्टिंग का जलवा दिखा चुके हैं।

फिल्म इमरजेंसी की नई रिलीज डेट आई सामने, इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक

नई दिल्ली, । बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट सामने आ गई है। कंगना ने सोमवार को खुद सोशल मीडिया के जरिए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। क्वीन फेम एक्ट्रेस कंगना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए बताया कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है और अब मूवी इमरजेंसी अगले साल 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है जिसमें फिल्म के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है। एक्ट्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 17 जनवरी 2025, देश की सबसे शक्तिशाली महिला की महाकाव्य गाथा और वह क्षण जिसने भारत की नियति बदल दी। इस पर आधारित फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। बता दें कि फिल्म इमरजेंसी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है। फिल्म में इंदिरा गांधी सरकार में लगाए गए आपातकाल को दर्शाया गया है। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। खास बात ये है कि कंगना ने खुद फिल्म के निर्देशन की कमान भी संभाली है।

विविध

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है अंगूर

अंगूर दो तरह के होते हैं, हल्के हरे रंग के और काले रंग के। अंगूर को एक विशेष प्रक्रिया के तहत सुखाकर किशमिश का रूप भी दिया जाता है। अंगूर में पर्याप्त मात्रा में कैलोरी, फाइबर और विटामिन सी, ई पाया जाता है। लेकिन कम ही लोगों को पता होता है कि ये सेहत का खजाना भी है। आईये जानते है।

➡ माइग्रेन की समस्या वाले लोग अगर रोज अंगूर का सेवन करें तो राहत मिलती है। मरीजों को रोज खाली पेट अंगूर का सेवन करने से दर्द में राहत मिलती है।

➡ खून की कमी को दूर करने के लिए भी अंगूर का रस काफी उपयोगी है। अंगूर में हेमोग्लोबिन बढ़ाने की शक्ति होती है। इसलिए एनिमिया के लोगों को अंगूर का सेवन करना चाहिए।

➡ हाल में हुए एक शोध के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम में अंगूर का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा दिल से जुड़ी बीमारियों के लिए भी ये विशेष रूप से फायदेमंद है। ➡ अंगूर का रस मुंह के छालों को भी ठीक करता है। सुबह अंगूर के रस से कुल्ला करने से छाले दूर होते हैं। इसके साथ खून की कमी को दूर करने के लिए एक गिलास अंगूर के जूस में 2 चम्मच शहद मिलकार पीने से खून की कमी दूर हो जाती है। यह हीमोग्लोबिन को भी बढ़ाता है।

स्वास्थ्य से करते हैं प्यार, तो लीजिए रंगीन आहार

रंगबिरंगा आहार, खिली-खिली सेहत का आधार

यूं तो 'बैलेंस्ड डाइट' की बात आप कई जगह सुनते होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि संतुलित आहार प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि आप विभिन्न रंगों का भोजन खाएं? जी हां, वैज्ञानिकों ने यह पाया है कि अलग-अलग रंगों के खाद्य पदार्थ आपके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को फायदा पहुंचाते हैं! आइए देखें कौन-सा रंग शरीर के किस अंग का मित्र है :

✿ **लाल:** यदि आप दिल की रक्षा करना चाहते हैं तो लाल रंग की चीजें खाइए। लाल (तथा गुलाबी) रंग के फल-सब्जी में फायटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। तरबूज, अमरूद, टमाटर आदि इस श्रेणी में आते हैं। स्ट्रॉबेरी, रसबेरी तथा बीटरूट में एंथोसायनिन पाए जाते हैं। यह फायटोकेमिकल्स का ही एक समूह है, जो उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है और डायबिटीज से जुड़ी समस्याओं से बचाव करता है।

✿ **हरा:** हरे फल-सब्जियों में लूटीन व इंडोल नामक फायटोकेमिकल्स होते हैं, जो लीवर की रक्षा करते हैं। अत: हरे रंग की चीजें खूब खाएँ।

✿ **जामुनी:** यदि आप अपने मस्तिष्क की सलामती चाहते हैं तो जामुनी फ्ल-सब्जियों को अपने आहार में शामिल करें। इनमें अंगूर, प्याज, जामुनी रंग की पत्तागोभी, बैंगन आदि शामिल हैं।

✿ **काला:** काला रंग लोगों को कम ही पसंद होता है, खास तौर पर खाने-पीने के मामले में, लेकिन यकीन मानिए, काले रंग का आहार आपके गुर्दों के लिए बहुत लाभकारी होता है। अत: मुनक्का, काली चौला फली, काले जैतून आदि खाया करें। सफेद: आलू, लहसुन, सफेद मशरूम आदि आपके फेफड़ों के लिए फायदेमंद होते हैं।

नाखून बता सकते हैं आपकी सेहत का हाल

पुराने समय से हीं जब दवाइयों की खोज नहीं हुई थी तब से हीं बड़े - बड़े महात्मा या वैद नाखून देखकर बताते थे कि किसे क्या बीमारी है या होने वाली है ये हालांकि चौका देने वाली बात है कि कोई नाखून देखकर कैसे बता सकता है कि किसे क्या बीमारी है आइये जानते हैं कि कैसे जाने नाखुनो से बीमारी के बारे में।

नाखून द्वारा ऐसे पता करे बीमारियों के बारे में

अगर आपका नाखून पीला पड़ गया हो तो इसका मतलब है कि आपको एनीमिया, हृदय सम्बंधित रोग, लीवर सम्बन्धी रोग हो गया है या होने वाला है अगर आपको पीलिया, थोयरॉयएड, मधुमेह, सिरोसिस आदि रोग हो तो भी आपके नाखून पीले पड़ सकते हैं।

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमारे नाखून में सफ़ेद्द दाग या धब्बे पड़ जाते हैं और ये धीरे - धीरे सारे नाखून को सफ़ेद्द कर देते हैं ऐसा होना आम बात नहीं है ये नाखुनो का सफ़ेद्द होना हृदय रोग और लीवर रोग की और संकेत करता है।

आपने ऐसा कई बार देखा होगा कि कई लोगों के नाखूनों का आकार गोल हो जाता है और वह बाहर निकलने लगता है और अंगुली का ऊपर का हिस्सा गोल व बड़ा दिखने लगता है ये हमें इस बात का संकेत देता है कि आपके शरीर में ओक्सिजन का प्रवाह सही ढंग से बही चल रहा है और आपको फेफ्ड़े और आंतो में सुजन हो गई है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-08 ◆अंक- 044 ◆ बिलासपुर, बुधवार 20 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2017/75085 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

संक्षिप्त खबरें

आवास मित्र भर्ती के लिए 21-22 को काउंसिलिंग

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में आवास मित्र की भर्ती के लिए 21-22 नवम्बर को काउंसिलिंग आयोजित की गई है। काउंसिलिंग संबंधित जनपद पंचायतों के सीईओ कार्यालय में सवेरे साढ़े 10 बजे से शुरू होगी। आवास मित्र का चयन मेरिट के अनुसार क्लस्टर वार किया जाएगा। जिला पंचायत बिलासपुर द्वारा दावा आपत्ति के निराकरण के बाद पात्र उम्मीदवारों की सूची सभी जनपद पंचायतों को उपलब्ध करा दी गई है। जिले की सरकारी वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट बिलासपुर डॉट जीओवी डॉट इन पर भी सूची उपलब्ध है। काउंसिलिंग की सूचना के लिए अलग से कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा। मार्गदर्शिका और विज्ञापन में दिए गए शर्तों के अनुसार भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी।

लैब टेक्नीशियन भर्ती, दावा आपत्ति 25 को

बिलासपुर। डीएमएफ मद से लैब टेक्नीशियन की भर्ती के लिए जारी प्रक्रिया के तहत सीएमएचओ कार्यालय द्वारा फिर से दावा आपत्ति आमंत्रित की गई है। इच्छुक उम्मीदवार 25 नवम्बर को शाम 5 बजे तक सीएमएचओ कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। दावा आपत्ति के लिए एक प्रारूप निर्धारित किया गया है, जो कि कार्यालय की सूचना पटल अथवा जिले की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

अरुण साव ने सड़क-पुल निर्माण और जल जीवन मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र और गारमेंट फैक्ट्री का किया अवलोकन, बस्तर ओलंपिक में भी हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने दो दिवसीय बस्तर प्रवास के दूसरे दिन आज बीजापुर में सड़क और पुल निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों का भी जायजा लिया। श्री साव ने इस दौरान ग्रामीणों से चर्चा कर विभिन्न योजनाओं के मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने बीजापुर एजुकेशन सिटी में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र 'समर्थ' का भ्रमण कर बच्चों से मुलाकात की और उनके समूह नृत्य की प्रस्तुति भी देखी। श्री साव ने जैतालूर स्थित गारमेंट फैक्ट्री में महिलाओं का काम देखा। वे मिनी स्टेडियम में आयोजित बस्तर ओलंपिक में भी शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता डॉ. एम.एल. अग्रवाल भी कार्यों के निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बीजापुर में नेलसनार से गंगालूर तक निर्माणाधीन सड़क का

निरीक्षण किया। 50 किलोमीटर लंबाई के इस सड़क के 39 किलोमीटर हिस्से का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। श्री साव ने अधिकारियों को काम में तेजी लाते हुए शेष 11 किलोमीटर सड़क का काम जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भैरमगढ़ विकासखंड के फुंडरी में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का भी निरीक्षण किया। यह पुल बीजापुर को नारायणपुर से जोड़ेगा, जिससे बीजापुर और रायपुर की दूरी कम हो जाएगी। इसके निर्माण से बांगोली और बेलनार सहित कई गांवों के लोग बारहों महीने आवागमन कर सकेंगे। इससे व्यापक रूप से शासन की योजनाओं को अंदरुनी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को पुल के निर्माण के बाद सड़कों के विस्तार के लिए सुरक्षा कैम्प स्थापित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों और निर्माण कंपनियों से गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए दोनों कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित अति संवेदनशील क्षेत्र में निर्माणाधीन ये सड़क और पुल बीजापुर जिले के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां नक्सलियों का गढ़ कहे जाने वाले कई गांव स्थित हैं। इनके निर्माण से शासन-प्रशासन पर ग्रामीणों का भरोसा बढ़ेगा। साथ ही इनसे माओवादी घटनाओं पर अंकुश लगाने में भी सहायता मिलेगी।

श्री साव ने बीजापुर जिले के गदामली ग्राम पंचायत के आश्रित वन ग्राम मिंगाचल में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन किया। मिंगाचल में सोलर आधारित तीन स्ट्रक्चर के माध्यम से 42 घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत 65 लाख रुपए से अधिक की लागत से गांव में यह व्यवस्था की गई है। श्री साव ने हर घर जल उत्सव कार्यक्रम में यहां की सरपंच श्रीमती लक्ष्मी कांता सकनी को अभिनंदन पत्र प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर हर घर नल से पेयजल आपूर्ति के साथ ही महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की मैदानी स्तर पर जानकारी ली।

बस्तर में बदल रहे हालात : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बीजापुर के मिनी स्टेडियम में आयोजित बस्तर ओलंपिक को संबोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव सरकार के कार्यों से बस्तर में बदलाव की बयार दिख रही है जिसका उदाहरण ये 12 हजार खिलाड़ी हैं जो बस्तर ओलंपिक में शामिल हो रहे हैं। मैं इन खिलाड़ियों के जज्बे को सलाम करता हूं और उम्मीद करता हूं कि बस्तर एवं बीजापुर के खिलाड़ी अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा का परिचय देकर देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजापुर अत्यंत सुदूर क्षेत्र है। हमारी सरकार ने भटके हुए लोगों से मुख्य धारा में लौटने का आह्वान किया है, ताकि वे बेहतर जिंदगी जीकर अपने और अपने परिवार का सुनहरा भविष्य गढ़ सकें।

श्री साव ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्ला नार से अंदरुनी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण सहित स्कूलों, आंगनबाड़ियों, बिजली, पानी व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तायुक्त पारदर्शिता के साथ करें : उप मुख्यमंत्री

बीजापुर। बीजापुर के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री अरूण साव बस्तर संभाग बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा एवं दंतेवाड़ा जिला के लोक स्वास्थ्यं यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, नगरीय प्रशासन सहित बीजापुर जिले के विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। जिसमें अंदरूनी क्षेत्रों में सड़कों, पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए वहीं निर्माण कार्यों को अनावश्यक लेट लतीफी करने वाले गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देने

वाले ठेकेदारों के कार्यों को निरस्त कर ब्लैक लिस्टेड करने के सख्त निर्देश दिए। बीजापुर के आवापल्ली बासागुड़ा, जगरगुंडा मार्ग की वस्तुस्थिति से अवगत होकर दिसम्बर माह तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नेलसनार से गंगालूर, तक 50 किलोमीटर बन रहे सड़क जिनका 11 किलोमीटर निर्माण बाकि है। निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समय-सीमा का ध्यान रखने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए है। वहीं बीजापुर से भोपालपटनम मार्ग में मोदकपाल के पास सड़क दुर्घटनाओं से नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक उपाय अमल पर लाकर दुर्घटनाओं में अंकुश लगाने की बात कही।

जल जीवन मिशन अंर्तगत कार्य की महत्ता को समझने भारत सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा दिसंबर 2024 तक शेष कार्यो को पूर्ण करने को कहा।

बीजापुर सहित सुकमा, नारायणपुर, दंतेवाड़ा के नगर-निकाय के समस्त सीएमओ को प्रधानमंत्री आवास का सर्वे तीन चरणों में सर्वे करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बीजापुर जिले की विकास योजनाओं एवं संचालित योजनाओं को कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए विस्तृत जानकारी दी।

एयरपोर्ट का होगा कायाकल्प, कलेक्टर ने 6 माह में काम पूरा करने दिए निर्देश

बिलासपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट का कायाकल्प किया जा रहा है। शासन द्वारा इसके लिए 5 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की गई है। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार के साथ एयरपोर्ट का आज देर शाम निरीक्षण किया। उन्होंने इस कार्य के लिए 15 दिन में टेंडर जारी करते हुए हर हाल में 6 माह के भीतर काम पूरा करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी विभाग को दिए हैं। एयरपोर्ट का नया डिजाईन स्मार्ट सिटी बिलासपुर द्वारा तैयार किया गया है। निरीक्षण के दौरान एयरपोर्ट डायरेक्टर एन. बीरेन, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता सी.के. पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने इस सिलसिले में अधिकारियों की बैठक लेकर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने नये डिजाईन के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर एयरपोर्ट में

3सीआईएफआर के संबंध में चल रहे कार्यो को देखा। कामों की गति में तेजी लाकर इन्हें जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रनवे स्ट्रीट आईसोलेशन वे, फायर एप्रोच रोड, रनवे लाईट, एप्रॉन हाई मास्ट, सेफ्टी वॉच टावर का आवलोकन किया।

कांग्रेस नेताओं ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती

नवापारा राजिम। स्थानीय संगवारी कार्यालय में मंगलवार को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी की जयंती मनाई गई. इस दौरान सभी कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गाँधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहाकि इंदिरा जी ने आयरन लेडी के रूप में देश ही नहीं पूरी दुनिया में एक अलग पहचान बनाई थी. देश के लोग सदैव उनके योगदान के प्रति ऋणी रहेंगे. इस अवसर पर पालिका सभापति अजय कोचर, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव रामा यादव पार्षद, पार्षद अनूप खरे, अजय साहू, हेमंत साहनी,

महामंत्री राजा चावला, फगू देवांगन, रामरतन निषाद, गोल्डी पारख, रामकुमार शर्मा, निर्माण यादव , दाऊ राम साहू, माखन निषाद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस उपस्थित थे.

विजय शर्मा ने किया हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान का वर्चुअल शुभारंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष ने बैगा आदिवासी हितग्राहियों को शौचालय निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र बांटा

बिलासपुर। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री श्री विजय शर्मा ने ''हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान'' का शुभारंभ वीडियों कॉन्फ्रेंस के जरिए किया। यह अभियान 19 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक चलेगा। जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सिंह चौहान, जिला पंचायत सभापति श्री

राजेश भार्गव, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप कुमार अग्रवाल, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण टीम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा जिले के 62 ग्रामों के सरपंच भी शामिल हुए।

जिले में आयोजित जिला प्रबंधन समिति के बैठक के पश्चात् जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सिंह चौहान ने 08 बैगा जनजाति के हितग्राहियों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति आदेश तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के तहत कचरा संग्रहण कार्य में संलग्न स्वच्छाग्राहियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 10 स्वच्छाग्राहियों को मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैगा हितग्राहियों के घरों में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य का स्वीकृति आदेश प्राप्त करते हुए हितग्राहियों का खुशी देखते ही बन रही थी। हितग्राहियों ने बताया कि शौचालय स्वीकृति प्रदान कर हमे सम्मान प्रदान किया गया है। उन्होंने शासन को धन्यवाद दिया। स्वच्छाग्राही दीदियों ने कहा कि हमें कचरा संग्रहण कार्य के लिए प्राप्त होने वाले मानदेय मिलने से हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

कलेक्टर ने की पीएम सूर्यघर बिजली योजना की समीक्षा

जयराम नगर बनेगा मॉडल सोलर विलेज

30 हजार से 78 हजार तक मिल सकता है अनुदान

लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से कार्य करने दिए निर्देश

बिलासपुर (दैनंदिनी)। कलेक्टर अवनीश शरण ने बिजली विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने व्यापक प्रचार-प्रसार कर योजना का लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। वर्तमान प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए तेजी से काम करने के निर्देश दिए। योजना में पंजीकृत उपभोक्तओं से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें लाभान्वित करने को कहा है। योजना के प्रचार के लिए वाहन सूर्यघर रथ को भी कलेक्टर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले को इस साल 8000 का लक्ष्य मिला है। जिसके तहत 6912 उपभोक्ताओं का पंजीयन कर लिया गया है। इनमें से 1102 लोगों के आवेदन भी मिल चुके है। वेण्डर सेलेक्शन के बाद 57 उपभोक्ताओं के घरों में बिजली संयत्र भी स्थापित किये जा चुके हैं।

योजना में अपना अंशदान के लिए बैंक से लोन दिये जाने का भी प्रावधान है। ऐसे 23 प्रकरणों को स्वीकृति के लिए बैंक भेजा गया है। कलेक्टर ने सभी बैंकों को जल्द स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में योजना के अंतर्गत मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने के लिए मस्तुरी विकासखण्ड के जयराम नगर का चयन किया गया। जयराम नगर में विस्तृत सर्वेक्षण कर ग्राम के समस्त शासकीय भवनों में सौर संयत्र की स्थापना, चौक-चौराहों में प्रकाश व्यवस्था हेतु सोलर हाई मास्ट संयत्रों की स्थापना एवं पेयजल व्यवस्था हेतु सोलर ड्यूल पम्पों की स्थापना के लिए बनाये गये विस्तृत प्रस्ताव का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में जिला पंयायत

सीईओ संदीप अग्रवाल, एसई रूरल सुरेश कुमार जांगड़े, एसई शहर पीआर साहू, ईई मिलिन्द पाण्डेय, सईद मुख्तार, जीएल चन्द्रा सहित जिला प्रभारी क्रेडा,एलडीएम श्री उरांव तथा पार्षद सुश्री श्रद्धा जैन उपस्थित थीं।

क्या है पीएम सूर्यघर योजना –

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर रूफ टॉप सोलर प्लाण्ट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उक्त स्थापित प्लाण्ट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से जुड़ेगा जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आमदनी भी मिल जाती है। शासन द्वारा इस योजना में 30 हजार रूपये से लेकर 78 हजार रूपये तक अनुदान भी दिया जाता है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट इन वेब पोर्टल अथवा पीएम सूर्यघर एप्प में पंजीयन करा सकता है।

डीईओ ने अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की छानबीन के क्रम में तीन दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फिलहाल 1 आवेदक ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं। डीईओ ने बताया कि बिल्हा विकासखण्ड के शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला दयालबंद में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत स्व. श्री भवानी शंकर सोनी के परिवार से उनके पुत्र श्री श्रीयांश सोनी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे तीन दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्र. 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने गिरिधर मालवीय जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री गिरिधर मालवीय जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतरत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के प्रपौत्र श्री गिरिधर मालवीय जी के निधन का समाचार पाकर उन्हें गहरा दुःख पहुंचा है। शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रभु श्री राम से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बात तो अच्छी थी पर बुरी लगनी ही थी

संपादकीय

कई बार बात तो कोई अच्छी करता है लेकिन वह लोगों को बुरी लगती है क्योंकि अच्छी बात का मतलब होता है कि जो अब तक चला आ रहा था, वह अब नहीं चलेगा,अब वैसा करिए जैसा हम कह रहे हैं।लेकिन यह अच्छी बात तो लागू तब होगी जब उसे मानने वाले मानेंगे,वह मानने से ही इंकार कर देंगे तो कितनी ही अच्छी बात कहने वाला क्या कर सकता है।कुछ समस्याएं कुत्ते की पूंछ की तरह होती है,बरसों में किसी को लगता है कुत्ते की पूंछ टेढ़ी है, अच्छी नहीं लगती है, इसे सीधा कर दिया जो कैसा रहेगा। उसे नलकी में बांधकर सीधा करने का प्रयास करने वाला करता है लेकिन कुत्ते की पूंछ कुत्ते की पूंछ होती है, वह टेड़ी ही रहती है। क्योंकि बहुत सारे लोग नहीं चाहते हैं कि कुत्ते की पूंछ सीधी कर दी जाए।वह तो चाहते हैं कि पूंछ टेड़ी ही रहनी चाहिए, इसलिए वह टेड़ी ही रहती है।

लोकतंत्र में होता वही है जो बहुमत चाहता है,बहुमत ही सुधार के पक्ष में नहीं है तो सुधार कितना भी अच्छा हो वह हो नहीं सकता। हमारे देश में भ्रष्टाचार भी कुत्ते की पूंछ के समान समस्या है, कितने लोग आए गए,सुधारने का प्रयास किया, वे आज नहीं है लेकिन भ्रष्टाचार अपनी जगह कुत्ते की टेड़ी पूंछ की तरह बना हुआ है।इसी तरह मुसलमानों के अपने जो संस्था.संगठन हैं, वह भी बरसों से एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं,कुछ लोगों का उन पर कब्जा है, वह जैसा चाहते है, उन संस्थाओं में संगठनों में वैसा ही होता है।इसमें सुधार बिलकुल पसंद नहीं किया जाता है, उसे अपने अधिकार में दखल मान लिया जाता है। चाहे सुधार करने वाला कोई भी हो। बहुमत तो समाज व संगठन में सुधार न चाहने वालों का है तो किसी एक के चाहने के कुछ नहीं होता है। यह बात छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ.सलीम राज समझ नहीं आई, वह तो मान कर चल रहे थे वह तो बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मस्जिदों में सुधार की जरूरत है, वहां तो धार्मिक तकरीर के नाम पर राजनीति की जाती है, समाज के लोगों को सोचने-विचारने का मौका दिए बगैर एक ही दिशा में धकेलने का प्रयास होता है, वह नहीं होना चाहिए।डॉ.राज ने कुछ भी गलत नहीं कहा है, उन्होंने कहा है कि मस्जिदों में सिर्फ धामिक बातें होनी चाहिए।उनको मालूम है ऐसा होता है इसलिए तो उन्होंने मस्जिदों के मुतवल्लियों को पत्र लिखकर कहा कि हर शुक्रवार को किस बात तकरीर होगी, इसकी जानकारी वक्फ बोर्ड को दी जाए और उसकी अनुमति के बाद ही तकरीर हो। अगर ऐसा नहीं होता तो उनको ऐसा कहने की जरूरत ही नहीं होती। उनके इस तरह के आदेश चाहे व मौलाना, इमाम के लिए न हो, मुतवल्लियों के लिए हों, बवाल तो होना ही था।इस मामले में पूर्व वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सलाम रिजवी का कहना है कि प्रदेश भर की मस्जिदों पर एक साथ नजर कैसे रखी जा सकती है,प्रदेश की मस्जिदों में तो कुरान व हदीस की बातों का ही उल्लेख होता है।प्रदेश में आज तक ऐसा नहीं हुआ है कि किसी मस्जिद से भड़क ाऊ तकरीर की गई हो।यह बात सच है कि दूसरे प्रदेशों में जैसे मस्जिदों में भड़काऊ तकरीरों को कारण दंगे होते है, लोग मारे जाते है, घर-दुकान को नुकसान होता है।वैसा हमारे यहां तो नहीं हुआ है। डॉ सलीम राज के आदेश की जानकारी असदुद्दीन ओवैसी तक पहुंच गई और ओवैसी ने कहा है कि वक्फ बोर्ड के पास ऐसी कोई कानूनी ताकत नहीं है कि वह मुतवल्लियों को आदेश दे सकें।यानी ओवैसी ने दूर से यहां की मुस्लिम संस्थाओं व संगठनों को बता दिया कि आदेश को नहीं मानना है।इससे यह पता चलता है कि यहां के मुस्लिम नेताओं के तार कहां कहां जुड़े हुए हैं, जब यहां की बात वहां तक पहुंच सकती है, तो वहां से बहुत कुछ निर्देश आते होंगे।माना जाता है कि देश में बहुत सारी मस्जिदों का उपयोग खासकर चुनाव के वक्त् किसको वोट देना है, यह बताने के लिए किया जाता है, फतवा जारी किया जाता है। हाल ही में महाराष्ट्र व झारखंड में भी फतवा जारी होने की खबर है। .सलीम राज को समझना चाहिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड में अभी भी कांग्रेस के समय नियुक्त सदस्य है, वह तो जो कुछ अच्छा भी करना चाहेंगे तो नहीं करनें देंगे तो क्योंकि वह भाजपा के हैं। उनका मानना है कि भाजपा जो कुछ करती है, गलत करती है। मुसलमान नेता खासकर इस बात से नाराज है कि मोदी सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लाकर उनके मामले में दखल दे रही है।मुसलमानों के वोट बैंक को कांग्रेस अपना वोट बैंक समझती है,इसलिए वह जो कुछ चाहते हैं, वह जरूर करती है। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं को अब तक तो डॉ राज के बयान पर प्रतिक्रिया दे देनी थी लेकिन नहीं दी है तो इसकी कोई वजह होगी।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी। दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरूआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी बीमारियों की जड़ है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम और खेलकूद से वजन को नियंत्रित किया जा सकता है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है। किसी भी बीमारी से लड़ने के लिये संकल्प जगाने एवं प्रमाद त्यागने पर बल दिया जाता है। संतुलित जीवन जीने एवं तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने देने के साथ आयुर्वेद दवाओं को उपयोग में लाया जाता है, जिससे बीमारी पर नियंत्रण करने का प्रभावी असर देखने को मिलता है। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं और योग-आयुर्वेद उसका अचूक उपाय है। आयुर्वेद एवं योग रूपी जीवनशैली, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से तरह-तरह की बीमारियों को रोका जा सकता है।

जलवायु | दिनेश सी. शर्मा

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

अजरबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : ह्यजलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही हैह्न। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वाताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है।

जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट ह्यद लैंसेट काउंटडाउनह्न बताती है ःह्नहर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैंह्न। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती।

गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मजदूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं।

स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व मेंडेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निमार्ताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वाताएं अपने-अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर-कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। यह महंगा व ऊर्जा की भारी खपत करने वाला है ,गर्मी के उत्सर्जन में योगदान करता है। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर-कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना ह्यहीट आइलैंडह्न बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर-कंडीशनिंग चाहिये।

डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी अपने उत्सर्जन में कटौती करनी होगी झ वर्तमान में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा 5 प्रतिशत है। डब्ल्यूएचओ ने कॉप-29 सम्मेलन से पहले जारी की रिपोर्ट में बताया है कि स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए शहरों पर ध्यान देना आवश्यक है। शहरी नीतियां कुछ ऐसी बनाई जाती हैं जिनका असर वायु गुणवत्ता, परिवहन, ऊर्जा उपयोग, शहरी डिजाइन, हरित क्षेत्र, आवास और भोजन की पहुंच पर होता है और यह आगे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए, कम कार्बन और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों वाले बदलाव लाने में देरी मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी हानि है। स्वास्थ्य पर जलवायु बदलावों का असर कम करने वाले तमाम उपायों पर काम करने की गाड़ी आखिर में आकर नई व्यवस्था और बेहतर विकल्प अपनाने पर होने वाले खर्च पर आकर अटक जाती है। इस हेतु अरबों डॉलर का अतिरिक्त फंड, जिसे देने का विकसित राष्ट्रों ने वादा किया था, शायद ही कभी पूरा हुआ हो। जलवायु सुधार फंड जुटाना एक जटिल मुद्दा है, उम्मीद करें कि बाकू में इस पर सार्थक प्रगति हो पाएगी। हालांकि, यह लगता नहीं, क्योंकि अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्राजील सहित शीर्ष विश्व नेताओं ने वार्ता के शिखर सम्मेलन वाले सत्र में भाग न लेने का फैसला किया है। जैसा कि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि जलवायु-फंड अंततः स्वास्थ्य-फंड है। जहां एक और जलवायु कार्रवाई के लिए धन का इंतजाम मानव स्वास्थ्य और अस्तित्व के लिए जरूरी प्रणालियों को बचाने में मदद कर सकता है वहीं स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष प्रभावों को कम करने और परस्पर जुड़े लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। वर्तमान में, इस हेतु बना फंड बहुत कम है तिसपर उपलब्ध निधियों (ऋण, कर्ज आदि) का नाम बदलकर जलवायु-फंड किया जा रहा है। विकासशील और गरीब देशों को जलवायु सुधार, विशेष रूप से स्वास्थ्य अनुकूलन के लिए, अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है। जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य बनाने का समय आ गया है क्योंकि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी की सेहत का नाता गहरे तक जुड़ा है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों की योजनाएं फलीभूत होंगी। आपको किसी काम को लेकर सोच विचारकर चलने की आवश्यकता है। प्रेम संबंधों में घनिष्ठता आएगी। आपको जीवनसाथी की जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं। भाई और बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। अविवाहित जातकों के लिए कोई बेहतर रिश्ता आ सकता है। रोजगार की तलाश कर रहे लोग को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर सूझबूझ दिखाकर चलने की आवश्यकता है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोग किसी अजनबी पर भरोसा ना करें, नहीं तो वह उनके उस भरोसे को तोड़ सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर व्यस्त रहेंगे। आप अपनी अनावश्यक खर्चों पर कंट्रोल करने की कोशिश करें, क्योंकि उनके बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें। आपका आत्मविश्वास बेहतर रहेगा, तभी आप किसी पर भरोसा कर पाएंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको यदि कोई जरूरी जानकारी मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं। आप अपने प्रियजनों के साथ मिल बैठकर कुछ पारिवारिक समस्याओं को दूर करेंगे। आपको अपने मन में अच्छे विचार रखने होंगे। नौकरी करने कार्यरत लोगों को अपने टारगेट पर ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो उनके बॉस उनसे नाराज हो सकते हैं। आप किसी तरह का कोई जोखिम लेने से बचें, नहीं तो समस्याएं बढ़ेंगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपके व्यक्तित्व मे निखार आएगा। आपका कोई विरोधी आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकता है। कारोबार में आपको मन मुताबिक लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहगी। आप किसी काम को लेकर लापरवाही ना दिखाएं। घर परिवार में आपको साज सज्जा पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आपको कुछ जरूरी कामों को लेकर पिताजी से बातचीत करनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाए रखना होगा। ससुराल पक्ष से यदि कुछ समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होंगी। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी व सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपनी आय को बढ़ाने के स्त्रोतों पर ध्यान देना होगा। यदि आपको कोई जिम्मेदारी दी जाएं, तो आप उससे पीछे न हटें। आपको माताजी की सेहत को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपका कोई पुराना मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए बुद्धि व विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को नहीं रखना है। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न होंगे। नौकरीपेशा लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के मन में खुशी के फूल खिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिलने की संभावना है। आपको स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा, जिससे आपकी कोई पुरानी समस्या उभर सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को रखने से बचना होगा। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। संतान को तरक्की करते देखा आपको खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के संबधों में यदि कुछ कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। आप किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोले, नहीं तो उन्हें बुरी लग सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपको अप्रत्याशित लाभ मिलने से खुशी होगी। बिजनेस में आपको कोई नया एग्रीमेंट मिल सकता है। धन को लेकर यदि आपको कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। संतान को तरक्की करते देखा आपको खुशी होगी। आपको अपने किसी मित्र की कोई बात बुरी लग सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपको योग्यता अनुसार काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान दें। आपको किसी प्रकार के वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा। जीवनसाथी से यदि आपकी किसी बात को लेकर खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। यदि आपकी कोई चिंता चल रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आप अपनी वाणी की सभ्यता बनाए रखें, नहीं तो आपके बेवजह की लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। आपको किसी सरकारी योजना में धन लगाने से पहले अपने पिताजी से सलाह की आवश्यकता है, क्योंकि वह आपको कोई अच्छी सलाह दे सकते हैं। प्रॉपर्टी की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप किसी बाहरी व्यक्ति के मामले में मामले में बेवजह ना बोले। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपको रणनीति बनाकर काम करने की आवश्यकता है। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की सोच रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए टाल दे, नहीं तो किसी दुर्घटना के होने की संभावना बनती दिख रही है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कामों को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। किसी अजनबी पर ज्यादा डिपेंड ना रहें। सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा।

कांग्रेस की वास्तविक मंशा जाहिर

एस. सुनील

भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई।

चाहे जिस कारण से या जिस नारे की वजह से हुआ हो लेकिन यह वास्तविकता है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा का चुनाव हिंदू एकजुटता और देश की एकता व अखंडता के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। भाजपा विरोधी पार्टियों और कुछ सहयोगियों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के दो नारों का इतनी बार जिक्र किया या इतनी तरह से व्याख्या कर दी कि आम लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ गई कि अगर एक नहीं रहे तो आने वाले समय में मुश्किल होगी। उनको यह बात समझ में आई है कि देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है, कई राज्यों में हिंदू पहले ही अल्पसंख्यक हो गए हैं, कई राज्यों में अल्पसंख्यक होने की ओर बढ़ रहे हैं, घुसपैठ की वजह से राज्यों में आदिवासी व दलित आबादी तेजी से घट रही है, व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है और चुनाव का असली प्रश्न 'रोटी, बेटी और माटीइ का है। इस क्रम में कांग्रेस और जेएमएम जैसी घनघोर तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों के साथ साथ श्री उद्धव ठाकरे की राजनीति भी एक्सपोज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगेइ का विरोध करते हुए इतने भवावेश में आ गए कि उन्होंने कह दिया कि यह साधु की नहीं, बल्कि आतंकी की भाषा हो सकती है। उनका यह बयान इतना तल्ख और संदर्भ से बाहर का था कि मुख्यमंत्री को भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया देनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि मल्लिकार्जुन खडगे बार बार कहते हैं कि जब वे छोटे थे तभी उनकी मां और बहन सहित परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों को जला कर मार दिया गया था। लेकिन आज तक उन्होंने बताया नहीं कि किसने उनकी मां को जलाया था। यह बड़ा सवाल है, जिससे इतिहास के एक ऐसे अध्याय का खुलासा होता है, जो देश और समाज के माथे पर कलंक की तरह है? असल में हैदराबाद निजाम के सेना में शामिल रजाकारों ने उनकी मां और बहन को जला कर मार डाला था। खडगे के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंका खडगे ने इशारों इशारों में एक बार इसका जिक्र किया था। असल में देश की आजादी तय होने के बाद हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय रजाकारों ने वहां की हिंदू आबादी पर और खास कर दलितों पर बड़े अत्याचार किए थे। वे जोर जबरदस्ती दलितों को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य कर रहे थे। लेकिन खडगे की मां और परिवार के दूसरे सदस्य बहादुर थे, जिन्होंने मर जाना कबूल किया लेकिन इस्लाम नहीं अपनाया। क्या दलितों पर मुस्लिम अत्याचार का यह अध्याय आम लोगों के सामने नहीं आना चाहिए? लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के चलते इतिहास के इस काले अध्याय को और खडगे के परिवार की महिलाओं के शौर्य की कहानियों को सामने नहीं आने दिया गया। अच्छा हुआ, जो खडगे ने श्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर सवाल उठाया और उनके परिवार के इतिहास के बहाने एक भयावह सचाई देश के लोगों के सामने आई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पांच अक्टूबर को महाराष्ट्र में एक नारा दिया 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगेइ। इसके बाद कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनसे पता चलता है कि एक नहीं रहना समूचे हिंदू समाज के लिए और व्यापक रूप से भारत की एकता व अखंडता के लिए कितना बड़ा खतरा बन सकता है। भाजपा के पूर्व सांसद श्री किरीट सोमैया ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह आंकड़ा प्रस्तुत किया कि अगर इसी तरह चलता रहा तो सिर्फ 26 साल के बाद 2050 तक देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में हिंदू आबादी महज 54 फीसदी रह जाएगी। टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइसेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1961 की जनगणना के मुताबिक तब के बॉम्बे में हिंदू आबादी 88 फीसदी थी, जो 2011 की जनगणना में घट कर 66 फीसदी हो गई। यानी 50 साल में हिंदू आबादी 20 फीसदी घट गई। उस समय मुस्लिम आबादी आठ फीसदी थी, जो बढ़ कर 21 फीसदी हो गई है। असल में मुंबई की जनसंख्या संरचना कई कारणों से बदल रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी का पलायन मुंबई की ओर हुआ है, जिनको वहां से मुस्लिम गैंगेस्टर्स और नेताओं की वजह से प्रश्रय मिला। इसके अलावा रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए भी बड़ी संख्या में मुंबई पहुंचे हैं। दूसरे राज्यों के मुसलमानों और घुसपैठियों के अलावा लव जिहाद का भी इसमें हाथ है। इस तरह बड़े व्यवस्थित तरीके से मुंबई की जनसंख्या संरचना को बदला जा रहा है। परंतु हैदराबाद के निजाम के आधिपत्य वाला इलाका या मुंबई अपवाद नहीं हैं। वहां से बहुत दूर झारखंड के संथालपरगना प्रमंडल में भी यही कहानी दोहराई जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े एक मसले पर केंद्र सरकार ने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें बताया गया है कि संथालपरगना की पूरी जनसंख्या संरचना बदल गई है। पहले वहां आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी थी, जो अब घट कर 28 फीसदी रह गई है। यानी इसमें 16 फीसदी की कमी आई है। इसके मुकाबले संथालपरगना के छह जिलों में 20 से 40 फीसदी तक मुस्लिम आबादी बढ़ी है। पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में यह प्रतिशत और ज्यादा है। पाकुड़ से कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम हैं, जो अभी जेल में बंद हैं। उनके निजी सचिव के नौकर के यहां से ईडी ने 25 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की थी। उस पूरे इलाके में सारा खेल बालू, पत्थर से लेकर मवेशी और इंसानों की तस्करी का चल रहा है, जिसके पीछे कांग्रेस और जेएमएम के लोग हैं। यह भी हैरान करने वाली बात केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में बताई है कि इसाइयों की संख्यों में छह हजार गुना तक बढ़ोतरी हुई है। एक तरफ आदिवासी आबादी का अपने मूल स्थान से पलायन हो रहा है और दूसरी ओर व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है। भारत के सॉलिसीटर जनरल श्री तुषार मेहता ने संथालपरगना की स्थिति को 'अलार्मिंगइ यानी चिंताजनक बताया। पिछले अनेक बरसों से कांग्रेस और जेएमएम ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के तहत घुसपैठियों को बसाया और धर्मांतरण होने दिया। इस इलाके में घुसपैठिए मुस्लिम आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं और आदिवासी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं।

गुरू घासीदास-तमोर पिंगला बना देश का 56वां टाइगर रिजर्व

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री और केन्द्रीय वनमंत्री के प्रति जताया आभार

रायपुर (दैनंदिनी)। छत्तीसगढ़ को बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए 'गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व' के रूप में एक नया टायगर रिजर्व मिल गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण घोषणा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव को धन्यवाद दिया है। यह टायगर रिजर्व देश का 56वां टायगर रिजर्व होगा। गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2829.387 वर्ग किलोमीटर होगा। इनमें आरक्षित वन 1254.586 वर्ग किलोमीटर, संरक्षित वन 1438.451 वर्ग किलोमीटर तथा राजस्व क्षेत्र 136.35 वर्ग किलोमीटर शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को देश के 56वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किए जाने की जानकारी राष्ट्र को दी है। उन्होंने कहा कि भारत बाघ संरक्षण में नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है, इसी क्रम में हमने छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास-तमोर पिंगला को 56वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया है। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व 2,829 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की सलाह पर छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को अधिसूचित किया। कुल 2829.38 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस बाघ अभयारण्य में 2049.2 वर्ग किलोमीटर का कोर/ क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट शामिल है, जिसमें गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं, और इसका बफर क्षेत्र 780.15 वर्ग किलोमीटर का है। यह इसे आंध्र प्रदेश के नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व और असम के मानस टाइगर रिजर्व के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बनाता है। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व देश में अधिसूचित होने वाला 56वां टाइगर रिजर्व बन गया है।

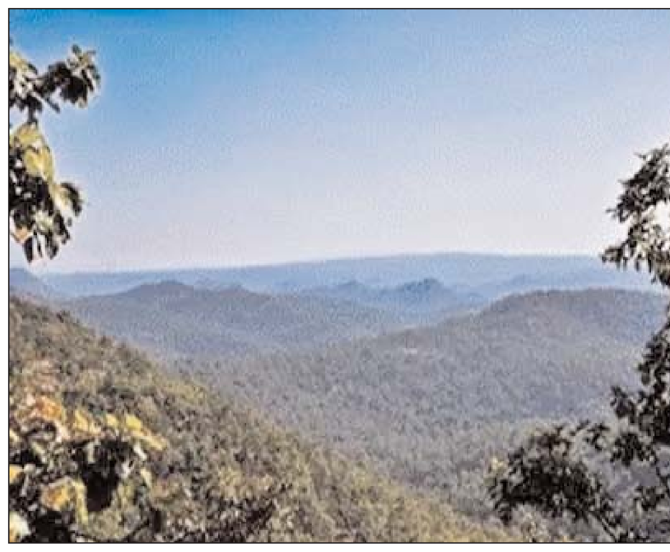

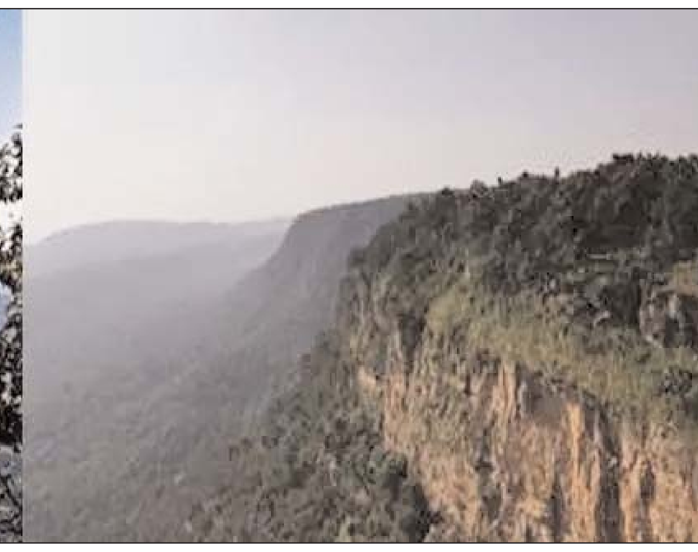

भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव योजना में परिकल्पित संरक्षण के लिए परिदृश्य दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, नव अधिसूचित बाघ अभयारण्य मध्य प्रदेश में संजय दुबरी बाघ अभयारण्य से सटा हुआ है, जो लगभग 4500 वर्ग किलोमीटर का परिदृश्य परिसर बनाता है। इसके अलावा, यह अभयारण्य पश्चिम में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य और पूर्व में झारखंड के पलामू बाघ अभयारण्य से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने अक्टूबर, 2021 में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला बाघ अभयारण्य को अधिसूचित करने के लिए अंतिम मंजूरी दी थी। छोटा नागपुर पठार और आंशिक रूप से बघेलखंड पठार में स्थित यह बाघ अभयारण्य विविध भूभागों, घने जंगलों, नदियों और झरनों से समृद्ध है, जो समृद्ध जीव विविधता के लिए अनुकूल हैं और इसमें बाघों के लिए महत्वपूर्ण आवास मौजूद हैं। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व से 365 अकशेरुकी और 388 कशेरुकी सहित कुल 753 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। अकशेरुकी जीवों का प्रतिनिधित्व ज्यादातर कीट वर्ग द्वारा किया जाता है।

कशेरुकी जीवों में पक्षियों की 230 प्रजातियाँ और स्तनधारियों की 55 प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें दोनों समूहों की कई संकटग्रस्त प्रजातियाँ शामिल हैं।

इस अधिसूचना के साथ, छत्तीसगढ़ में अब 4 बाघ रिजर्व हो गए हैं, जिससे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से मिल रही तकनीकी और वित्तीय सहायता से इस प्रजाति के संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी समस्याएं

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने जनदर्शन में जिले के अलग- अलग क्षेत्र से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आज जनदर्शन में 73 लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक समस्या का हरसंभव निराकरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। जनदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर अपनी समस्याएं, जैसे भूमि विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, पीएम आवास, वनअधिकार पट्टा एवं अन्य विषयों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कलेक्टर ने सभी प्रकरणों का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिये। जनदर्शन में ग्राम पंडरीपानी के समस्त ग्रामवासी ने नवीन स्कूल भवन की स्वीकृति प्रदान करने एवं आवास हितग्राही ने पीएम आवास की द्वितीय किस्त प्रदाय करने, राजिम के गुन्जू साहू ने दालभात केन्द्र खोलने, ग्राम मालगांव की चांदनी निषाद ने राशन कार्ड बनाने, ग्राम बेलटुकरी की मनीषा ढीमर ने शौचालन निर्माण हेतु, ग्राम मोंगरा के तुलसीराम कुम्हार ने आबादी पट्टा प्रदाय करने, ग्राम नहरगांव के पुष्पेन्द्र ध्रुव ने पीएम आवास की द्वितीय किस्त प्रदाय करने, ग्राम सिंधौरी की मालती बाई ने पीएम आवास एवं नल जल कनेक्शन प्रदान करने आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके आवेदनों के निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

योजनाओं के सेचुरेशन के लिए लगाएं कैम्प : कलेक्टर

गरियाबंद। विभागीय योजनाओं में प्रगति के संबंध में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की जानकारी लेकर सभी प्रकरणों का समय ङ्क सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने लोगों को योजनाओं से शत- प्रतिशत लाभान्वित करने के उद्देश्य से छुटे हुए पात्र लोगों के लिए विशेष रूप से सेचुरेशन कैम्प लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने सर्वे सूची अनुसार मुलभूत सुविधाओं से वंचित लोगों की जानकारी लेकर उन्हें सेचुरेशन कैम्प में लाभान्वित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने इसके लिए सभी जनपद सीईओ को गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने समीक्षा बैठक में वन अधिकार पट्टों के लिए लंबित प्रकरणों की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने ऐसे लंबित प्रकरणों की विधिवत जांच परीक्षण कर आवश्यक निराकरण करने के निर्देश दिये। साथ ही अपात्र आवेदनकर्ताओं को पात्रता के संबंध में उचित जानकारी भी देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में स्कूली बच्चों के आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र निर्माण के प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने छुटे हुए बच्चों के प्रमाण पत्र बनाने के कार्यो में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

वित्तमंत्री पहुंचे एजुकेशन सिटी, बच्चों से की भेंट

दंतेवाड़ा। बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठकके बाद वित्त मंत्री ओमप्रकाश चौधरी अपने प्रवास पर एजुकेशन सिटी जावंगा पहुंचे। जहाँ उन्होंने एजुकेशन सिटी जावंगा के विभिन्न संस्थाओं कन्या शिक्षा परिसर, आस्था विद्या मंदिर, सक्षम, कन्या हायर सेकेण्डरी गीदम एवं केजीबीव्ही का अवलोकन किया।जैसे ही वित्त मंत्री के पहुंचने की खबर एजुकेशन सिटी को मिली तो सभी संस्थाओं में खुशी की लहर दौड़ उठी, सभी संस्थाओं ने मंत्री के स्वागत की तैयारी करने लगे। विदित हो कि एजुकेशन सिटी के निर्माण अवधि में तत्कालीन कलेक्टर रहे ओम प्रकाश चौधरी ने एजुकेशन सिटी जावंगा के कल्पना को मूर्त रूप दिया और अपनी दूरगामी सोच से एजुकेशन सिटी को संवारा था। अपने पहले प्रवास पर पहुंचे वित्त मंत्री ने सर्वप्रथम कन्या शिक्षा परिसर पहुंचकर संस्था को देखा इस दौरान बच्चों एवं शिक्षकों से चर्चा किया, इस दौरान बच्चों ने मंत्री श्री चौधरी के समक्ष शिक्षकों की मांग के साथ कम्प्यूटर सेट, स्पोर्ट्स ड्रेस, टाटा मैजिक वाहन, कला मंच एवं नर्सिंग कॉलेज की मांग रखी इसके साथ ही श्री चौधरी ने आस्था विद्या मंदिर में बच्चों एवं शिक्षकों से चर्चा कर संस्था का अवलोकन किया। इसके पश्चात वे कन्या हायर सेकेण्डरी गीदम पहुंचे जहां विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री से डोम निर्माण, कम्प्यूटर सेट एवं कला मंच की मांग रखी। ''सक्षम विद्यालय'' पहुंचकर वित्त मंत्री ने दिव्यांग बच्चों से उनका हाल जाना और उनसे बात की इस दौरान बच्चों ने मंत्री के समक्ष अपनी बातें रखी और कुछ बच्चों ने गीत प्रस्तुत किया जिस पर मंत्री जी ने बच्चों को सराहा इसके बाद वित्त मंत्री ने केजीबीव्ही के अवलोकन पश्चात घुड़सवारी कार्यक्रम के संबंध में जाना और कार्यक्रम सराहा और छात्र-छात्राओं के किये गये मांग को तत्काल पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, जिला मिशन समन्वयक हरीश गौतम, सहायक परियोजना समन्वयक राजेन्द्र पाण्डेय, खण्ड शिक्षा अधिकारी एस. रफिक्र, खण्ड स्त्रोत समन्वयक जितेन्द्र चौहान सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे ।

आदिवासी अंचलों के 77,292 घरों में बिजली पहुंचाने का कार्य प्रगति पर

रायपुर (दैनंदिनी)। आदिवासी अँचलों में बिजली से वंचित रह गए घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 3 अतिविशिष्ट योजनाओं के माध्यम से 77,292 घरों में बिजली पहुंचाने की कार्ययोजना बनाकर उस पर अमल प्रारंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा इस महती कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है जिसमें से 2 योजनाएं केंद्र सरकार की है तथा 1 योजना छत्तीसगढ़ शासन की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 426 करोड़ रुपए से अधिक लागत की इन योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्रता से करने के निर्देश दिए है। वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री रोहित यादव ने तीनों योजनाओं की प्रगति की नियमित तौर पर मॉनिटरिंग की व्यवस्था की है।प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की अति पिछड़ी 7 जनजातियों जिनमें अबुझमाड़िया, बैगा, भारिया, पहाड़ी कोरवा, कमार तथा बिरहोर शामिल हैं, इन 7 जनजातियों के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। ग्रिड से विद्युतीकृत गांवों के 7,077 घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 37 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 1,087 बसाहटों में 363.24 किलोमीटर 11 के.वी. लाइन, 267 नग 25 के.वी.ए. क्षमता के वितरण ट्रांसफॉर्मर तथा 650 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जा रही है। पीएम जनमन के तहत अभी तक 4,500 घरों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है।

प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा हाल ही में की गई है जिसके अंतर्गत 919 गांवों के 65,711 अविद्युतीकृत घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 323 करोड़ 63 लाख रुपए की कार्ययोजना को स्वीकृति मिली है। जिसके अंतर्गत 6,863 बसाहटों में 1889.56 किलोमीटर लाइनें, 25 के.वी.ए. क्षमता के 1950 वितरण ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए जाएंगे तथा 5,188 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जाएंगी।

आदिवासी बहुल गांवों में बिजली पहुंचाने में सबसे बड़ी समस्या वहां के सघन वन क्षेत्र होते हैं। घने जंगलों में बहुत से क्षेत्र पहुंच विहीन होती हैं। इसके अलावा बस्तर के सघन वन क्षेत्रों में विरासत में मिली नक्सलवाद की समस्या भी है जिसके समाधान की दिशा में राज्य सरकार द्वारा केंद्र की मदद से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मोर्चे पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कार्यकाल में बड़ी सफलताएं भी मिल रही हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सुरक्षाबलों की तैनाती केंद्र तथा राज्य शासन द्वारा की गई है। जिसके लिए सुरक्षा कैम्प बनाए गए है। सुरक्षा कैम्पों के समीप 5 किलोमीटर के दायरे में बहु-आयामी विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 24 सुरक्षा कैम्पों के 5 किलोमीटर के दायरे में 96 गांवों में घरों को रोशन करने की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ किया गया है।

आंगनबाड़ी, पंचायत, पीडीएस, विद्यालय व स्वास्थ्य केन्द्रों की गतिविधियों का शीघ्र करें अवलोकन : कलेक्टर

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने धान खरीदी हेतु गिरदावरी सत्यापन की जानकारी ली। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में संचालित योजनाओं और सरकारी कार्यालयों की गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों की विशेष भूमिका तय की गई है। इस पहल के तहत, जिला स्तर के अधिकारियों को ग्राम पंचायतों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत, पी.डी.एस., विद्यालय एवं स्वास्थ्य केन्द्रों की गतिविधियों का अवलोकन करना होता है। इस प्रक्रिया में अधिकारी एक विशेष एप्लिकेशन के माध्यम से सभी जरूरी जानकारियां प्रस्तुत करते हैं, जिससे योजनाओं और कार्यक्रमों की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में कलेक्टर ने सत्यापन कार्य के लिए जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें 30 नवम्बर से पहले सत्यापन कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने धान खरीदी में अनियमितता पाये जाने पर प्रकरण अनिवार्य रूप से तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। साथ ही खाद्य अधिकारी से खरीफ विपणन 2024-25 में धान उर्पाजन केन्द्रों में बफर लिमिट निर्धारण के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने विभागों में लंबित पेंशन प्रकरण को शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

धान खरीदी केंद्रों में नोडल अधिकारियों को रखना होगा विशेष ध्यान : कलेक्टर

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की समीक्षा की। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में नोडल अधिकारियों को हर शनिवार ऑनलाइन अपडेट करने तथा धान खरीदी केंद्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि किसानों को खरीदी केंद्रो में किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए विशेष ध्यान रखें। उन्होंने अवैध धान, परिवहन, भण्डारण पर निगरानी रखने के तथा इनके खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर ने लंबे समय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं व शासन को इस सम्बंध में जानकारी प्रेषित के लिए भी कहा है।

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से स्कूली छात्र- छात्राओं के आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र बनाने की प्रगति की जानकारी लेते हुए छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट उकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी कार्ड बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बच्चों के आधार और यूडाइस नंबर को समय पर स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

जिला पशु चिकित्सा अधिकारी को घुमन्तू व आवारा मवेशियों को शिफ्ट करने में हीलाहवाली करने पर कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि शासन द्वारा लगातार इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है, सड़कों व चौक-चौराहे पर मवेशियों के जमावड़ा से सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने पशु कल्याण समिति के गठन सम्बंध में भी जानकारी ली और इस पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने आबकारी विभाग को जिले में अवैध शराब, गांजा व अन्य नशे के खिलाफछापामार कार्यवाही करने को कहा है। श्रीमती त्रिपाठी ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत स्कूल, कॉलेज के आसपास स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण, स्कूल शिक्षा व पुलिस की टीम लगातार निरीक्षण करते रहें साथ ही युवाओं को मादक द्रव्यों/पदार्थों तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु जन- जागरूकता में सक्रिय रूप से भागीदार बनाने पर भी जोर दिया।

खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन पर करें कड़ी कार्यवाही : कलेक्टर

गरियाबंद। खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन पर रोकथाम करने एवं खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में खनिज के अवैध उत्खनन को रोकने विभिन्न एजेण्डा पर चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोकथाम के लिए कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त जांच दल को सक्रियतापूर्वक कार्य करते हुए लगातार निगरानी बनाये रखने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविन्द पाण्डेय, सर्व एसडीएम, डीएसपी सुश्री निशा सिन्हा, जिला खनिज अधिकारी सहित परिवहन एवं वन विभाग के अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने अति संवेदनशील हीराधारित क्षेत्र पर वन सुरक्षा समिति एवं पुलिस द्वारा अवैध उत्खनन परिवहन की रोकथाम करने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए नियमित संयुक्त जांच में पुलिस द्वारा आवश्यक बल प्रदान करने तथा पुलिस चौकी में जप्त वाहनों को सुरक्षा में लेने के संबंध में भी निर्देश दिये। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर रोक लगाने के लिये रात्रि कालीन संयुक्त जांच के संबंध में भी सक्रियतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने खनिज परिवहन करने वाले वाहनो में ओवर लोड की शिकायत पर भी कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निर्माण ऐजेंसी विभागीय निर्माण कार्यो में खनिज की आपूर्ति हेतु विभाग के नाम पर अधिक से अधिक खदान आरक्षित कराने एवं निर्माण विभाग द्वारा कार्यालय से रायल्टी चुकता प्रमाण पत्र के बिना फाइनल पेमेंट नही करने के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये।

कलेक्टर ने केशकाल घाटी के उन्नयन कार्य का लिया जायजा

कोंडागांव। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने केशकाल घाटी पहुंचकर उन्नयन कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने एनएच के अधिकारियों और ठेकेदार को युद्धस्तर पर कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। घाटी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्रांकिटीकरण और डामरीकरण कार्य को देखा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने ठेकेदार को निर्देशित किया कि लेबर की संख्या बढ़ाते हुए कार्य में तेजी लाएं। साथ ही उन्होंने डस्ट को जल्द हटाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई, एस डी एम केशकाल अंकित चौहान सहित एन एच के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा जिला - कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/निर्माण/2024-25/ 2880 — कोरबा दिनांक 12/11/2024

// संशोधित ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

कार्यालयीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 2816 दिनांक 06.11.2024 के द्वारा नीचे लिखे कार्यो हेतु आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ.ग. शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की गई है, जिसकी अंतिम तिथि 06.12.2024 है, विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. 1	कार्य का नाम 2	वि.ख. 3	मद 4	लागत राशि (लाख में.) 5	अमानत राशि 6
1	प्री. मै. अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास सरगबुंदिया का भवन निर्माण कार्य	करतला	D.M.F.	152.76	114570/-
1	शासकीय मुकुटधर पाण्डेय महाविद्यालय कटघोरा के बालिका छात्रावास का रेनोवेशन कार्य	कटघोरा	D.M.F.	75.70	56775/-
			योग-	228.46	

उपरोक्त कार्यो में कॉलम नं. 05 में योग की राशि त्रुटिवश रू. 127.83 लाख हो गया है जिसके स्थान पर राशि रू. 228.46 लाख पढ़ा जावे।

नोटः- निविदा नियम, शर्ते, तिथि/समय यथावत रहेंगी।

जी- 242503885/8

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा

अदाणी अहमदाबाद मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा

अहमदाबाद, । अदाणी अहमदाबाद मैराथन के 8वें संस्करण को 24 नवंबर को शतरंज ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा हरी झंडी दिखाएंगे।

मैराथन साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क में शुरू और समाप्त होगी और इसका पूरा जिम्मा अदाणी स्पोर्ट्सलाइन उठाएगी। इस कार्यक्रम में प्रगनानंदा के साथ एथलीट-एक्टर सैयामी खेर भी शामिल होंगी।

इस भाग लेने वाली कैटेगरी में पूर्ण मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.097 किमी), 10 किमी दौड़ और 5 किमी दौड़ शामिल हैं। एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस से मान्यता प्राप्त अदाणी अहमदाबाद मैराथन में 2023 में पहली बार थोड़ा बदलाव किया गया और यह गांधी आश्रम, अटल ब्रिज और एलिस जैसे प्रतिष्ठित स्थानों के साथ एक सुरम्य ट्रैक पर दूसरा संस्करण होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष के आयोजन में 22,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

रन फॉर सोल्जर्स अभियान के हिस्से के रूप में मैराथन भारत के सशस्त्र बलों का सम्मान करता है, जिसमें आय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनके लिए समर्पित होता है। पिछले साल 2,500 से अधिक रक्षा कर्मियों ने इस आयोजन में भाग लिया था, जो खेल समुदाय और सशस्त्र बलों के बीच एक मजबूत संबंध को दर्शाता है। अदाणी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा, रन फॉर सोल्जर्स पहल के माध्यम से सैनिकों को समर्पित एकमात्र मैराथन होने के नाते अहमदाबाद मैराथन वास्तव में खास बन गया है। 2017 में अपनी शुरुआत के बाद से यह तेजी से भारत की सबसे प्रतीक्षित मैराथन दौड़ में से एक के रूप में मशहूर है। आर प्रगनानंदा ने कहा, मैं अदाणी अहमदाबाद मैराथन का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। शतरंज की तरह, मैराथन के लिए रणनीति, भरपूर आत्मविश्वास और अपनी सीमा से आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। यह आयोजन न केवल फिटनेस को देता है, बल्कि हमारे सशस्त्र बलों में जर्मनी में आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन को पूरा करने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस सैयामी खेर ने कहा, अदाणी अहमदाबाद मैराथन चल रहे कैलेंडर पर सबसे चर्चित इवेंट में से एक बन गया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी किंग कोहली के लिए अग्नि परीक्षा, एक गलती लगा सकती है करियर पर विराम!

नई दिल्ली, विराट कोहली अब अपने पुराने रंग में नजर नहीं आते। खास तौर पर टेस्ट क्रिकेट में उनके बल्ले से कई वर्षों से लंबी पारी नहीं आई और शतक आए हुए भी काफी समय हो गया है। पहले बांग्लादेश और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका फ्लॉप शो टीम को महंगा पड़ा। अब हर किसी की नजर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर है और टीम इंडिया के साथ-साथ भारतीय फैंस भी यही चाहते हैं कि किंग कोहली एक बार फिर अपने नाम मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में दहाड़ें।

यह सीरीज भारत के लिए अहम है क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप भी दांव पर है। यहां फ्लॉप होने का सीधा मतलब

डब्ल्यूटीसी से बाहर होना होगा। जबकि, अगर विराट का बल्ला इस सीरीज में भी खामोश रहा, तो उन पर भी गाज गिर सकती है। ऑस्ट्रेलिया में विराट के रिकॉर्ड को देखें तो उम्मीद यही है कि वह अपनी फॉर्म को हासिल करने में सफल होंगे क्योंकि यह दौरा उनके लिए अग्नि परीक्षा है।

टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले पर्थ में जमकर पसीना बहा रही है। भारतीय टीम लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया को उसके घर पर हराकर हैट्रिक पूरा करने का सपना देख रही है। लेकिन इस बार कुछ चीजें भारत के पक्ष में नहीं है। न ही इस बार हमारे पास चेतेश्वर पुजारा हैं और न ही अजिंक्य रहाणे, जो पिछले दोनों दौरों पर बल्ले से अहम खिलाड़ी थे। इतना ही नहीं, पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं है, जबकि विराट कोहली का खामोश बल्ला टीम की एक बड़ी परेशानी है। टीम इंडिया के लिए न सिर्फ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी चैम्पियनशिप से भी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आन-बान और शान की लड़ाई में विश्व पर्थ में भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कहावत है, नींव हो मजबूत तो इमारत होगी बुलंद। पर्थ टेस्ट इस बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की सीरीज के लिए नींव का काम करेगा और यहां जो बाजी मारेगा।

भारत के खिलाफ स्टीव स्मिथ अच्छा प्रदर्शन करेंगे-वॉटसन

नई दिल्ली,। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लाइनअप में मुख्य बल्लेबाज हैं। अगर वो फार्म में रहे तो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन का मानना है कि पर्थ टेस्ट में स्मिथ भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी की शुरुआत उस्मान ख्वाजा के साथ नाथन मैकस्वीनी कर सकते हैं और इस तरह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्मिथ अपने पुराने बैटिंग ऑर्डर नंबर 4 पर लौट आएंगे।डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद स्मिथ को बतौर ओपनर प्रमोट किया गया था। हालांकि, यह कदम ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अच्छा नहीं रहा क्योंकि पूर्व कप्तान ने चार टेस्ट मैचों में 28.50 की औसत से केवल 171 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 91 रन भी शामिल थे। वॉटसन ने विलो टॉक क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, स्टीव ओपनिंग करना चाहते थे। वह हमेशा नई चुनौती के लिए तैयारी रहते हैं। लेकिन उस अवसर के साथ एक बात यह थी कि वह वास्तव में उस समय अपनी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी नहीं कर रहे थे। उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पूरा फायदा उठाया जा सकता था, क्योंकि उन्हें रन बनाना बहुत पसंद है, चाहे वह ओपनिंग हो या नंबर 4 पर वह पूरी जान लगाते हैं। आप देख सकते हैं कि कई बार वह ओपनिंग करते समय आउट हो गए। उनका खेल और उनकी तकनीक थोड़ी अलग थी। पाकिस्तान के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में स्मिथ ने भारत के खिलाफ सभी महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले अपनी प्रतिभा की झलक दिखाने के लिए 44 और 35 रन बनाए।

भारतीय गेंदबाजों को छकाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम लाबुशेन

पर्थ, । बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन भारतीय गेंदबाजों को कड़ी चुनौती देने की उम्मीद कर रहे हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज मेहमान टीम के गेंदबाजों को छकाने के इरादे से मैदान पर उतरेगा।

लाबुशेन का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया लंबा गेम खेलने में सर्वश्रेष्ठ है और उन्होंने मेहमान तेज गेंदबाजों को छकाने के महत्व पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 2020-21 दौरे के दौरान जो किया, उसे दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। लाबुशेन ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है। मुझे लगता है कि जिस तरह से हम खेलते हैं, जब हम लंबा गेम खेल रहे होते हैं तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। उनके दूसरे और तीसरे स्पैल में वापस लाने से उन पर दबाव आएगा। क्योंकि जब आप तीसरे, चौथे, पांचवें टेस्ट में उतरते हैं, अगर वे एक ही टीम के साथ खेलने की कोशिश कर रहे हैं

और वे गेंदबाज तीसरे टेस्ट तक 100, 150, 200 ओवर कर रहे हैं, तो यह एक बड़ा अंतर पैदा करने वाला है।卐

मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जो मोहम्मद सिराज और आकाश दीप के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगे।

इस गर्मी की शुरुआत में लाबुशेन का फॉर्म बेहद खराब रहा है। जबकि उन्होंने सितंबर में इंग्लैंड में अपने पहले वनडे में नाबाद 77 रनों की शानदार पारी के साथ शुरुआत की, उसके बाद उनके वनडे स्कोर गिरकर 19, 0, 4, 16 और 6 हो गए।

घरेलू क्रिकेट में उन्होंने अपने पहले शेफ़ील्ड में 77 और नाबाद 35 रन बनाए। लेकिन इसके बाद क्वींसलैंड के लिए 11, 22 और 10 के मामूली स्कोर बनाए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ऐसे दौर से उबरने के बाद, जहां विरोधियों ने उनके फ्रंट पैड को निशाना बनाया था, अब वह खुद को ऑफ स्टंप के बाहर थोड़ा कमजोर पाते हैं। लाबुशेन इस बात से अछी तरह वाकिफ हैं कि भारत पर्थ में इस कमजोरी का कैसे फायदा उठाने की योजना बना रहा है।

श्रीलंका के खिलाफ द.अफीका के घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए कप्तान बावुमा की वापसी

जोहान्सबर्ग,। तेम्बा बावुमा अपनी कोहनी की चोट से उबर गए हैं और श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व करेंगे, जो इस महीने के अंत में डरबन में शुरू होगी। रेड-बॉल के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने मंगलवार को 14-खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की, जिसमें पिछली गर्मियों में भारत के खिलाफ श्रृंखला के बाद पहली बार टेस्ट सेटअप में ऑलराउंडर मार्को जानसन और तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी भी शामिल हैं। सोमवार को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद कप्तान बावुमा को टीम में शामिल किया गया है। वह बाईं कोहनी की चोट से उबर गए हैं जिसके कारण उन्हें बांग्लादेश टेस्ट दौरे से बाहर रहना पड़ा था।

कैगिसो रबाडा, डेन पैटरसन और ऑलराउंडर वियान मुल्डर टीम के लिए तेज आक्रमण को पूरा करेंगे। जबकि, स्पिन की कमान केशव महाराज और सेनुरन मुथुसामी को सौंपी गई है। दौरे का पहला मैच 27 नवंबर से डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीम दूसरे मैच के लिए गकेबरहा जाएगी, जो 5 दिसंबर को सेंट जॉर्ज पार्क में खेला जाएगा।

यह सीरीज दक्षिण अफ्रीका के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बाकी दो सीरीज में से एक है, जो अभी भी अगले साल के फाइनल में उनकी जगह बनाने का मौका बना सकती है।

व्यापार

भारत से रत्न और आभूषणों का निर्यात अक्टूबर में 9 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

नई दिल्ली, । भारत से अक्टूबर में रत्न और आभूषणों का कुल सकल निर्यात 25,194 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सालाना आधार पर 9.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पिछले साल समान अवधि में 22,857.16 करोड़ रुपये था। यह जानकारी जेम्स और ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा सोमवार को दी गई।

अक्टूबर में रत्न एवं आभूषणों का कुल आयात 12,489.33 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 14,496.03 करोड़ रुपये की तुलना में 14.65 प्रतिशत कम है।

कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा, लंबे समय तक सुस्ती के बाद कुल रत्न और आभूषण निर्यात में वृद्धि उद्योग के लिए बड़ी राहत है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव अभी भी भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि संघर्षरत देशों के बीच समझौता हो जाएगा और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। इसके अलावा अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में चुनाव पहले ही संपन्न हो चुके हैं, इसलिए मजबूत खरीदारी संटीमेंट से मांग में कुछ तेजी आने की उम्मीद है, जिसे हॉलिडे सीजन से समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारतीय आभूषण व्यापारी और निर्माता सावधानी से कदम उठा रहे हैं और मौजूदा स्टॉक को खाली करने के लिए अधिक इच्छुक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आगामी वेडिंग सीजन के साथ-साथ पश्चिम में छुट्टियों का मौसम भी मांग को बढ़ाएगा और इस कारण से हमें लगता है कि आयात और निर्यात दोनों में वृद्धि होगी। अक्टूबर में सोने के आभूषणों का कुल सकल निर्यात 9,449.37 करोड़ रुपये का था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 8,603.33 करोड़ रुपये की तुलना में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, अक्टूबर में कच्चे हीरों का सकल आयात 53,733.31 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के आयात 70,061.18 करोड़ रुपये की तुलना में 24.3 प्रतिशत कम है।

उभरते बाजारों में भारत ट्रंप के प्रस्तावित टैरिफ से अछूता-सीएलएसए के अलेक्जेंडर रेडमैन

मुंबई, । ग्लोबल ब्रोकरेज सीएलएसए के मुख्य इक्विटी रणनीतिकार अलेक्जेंडर रेडमैन ने सोमवार को कहा कि उभरते बाजारों (ईएम) में भारत में अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित टैरिफ और उच्च ब्याज दरों के प्रति सबसे कम संवेदनशीलता है।

रेडमैन ने यहां 27वें सीआईटीआईसी सीएलएसए इंडिया फोरम 2024 में वैश्विक परिदृश्य और भारत बनाम चीन के मामले पर कहा कि विदेशी निवेशकों के पास भारत में आगे निवेश न करने के बहाने खत्म होने की संभावना है।

रेडमैन ने कहा, अगर आप यह मान रहे हैं कि दुनिया उभरते बाजारों के लिए कम अनुकूल होने जा रही है और आप भारत में अंडरवेट हैं, तो निवेशक भारत में वेटेज बढ़ाने के लिए आपको माफ कर देंगे।

सीएलएसए ने पिछले सप्ताह भारत के आवंटन को 20 प्रतिशत ओवरवेट तक बढ़ा दिया, जबकि चीन में निवेश कम कर दिया।

ग्लोबल ब्रोकरेज ने अमेरिकी

राष्ट्रपति चुनाव के बाद बीजिंग की अर्थव्यवस्था और निवेशकों की भावना पर बढ़ती चिंताओं का हवाला देते हुए चीन से भारत में अपना रणनीतिक आवंटन शिफ्ट कर दिया।

रेडमैन ने कहा कि चीन को लेकर उनकी उम्मीदें कम हो गई हैं क्योंकि ट्रम्प के फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति बनने और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के कारण चीन के लिए आगे चलकर कई चुनौतियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा, भारत उन बाजारों में से एक है जहां आपको दीर्घकालिक ओवरवेट जोखिम रखने के लिए माफ कर दिया जाएगा।

हाल ही में एक नोट में, रेडमैन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उभरते बाजारों में, भारत में ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ के प्रति सबसे कम संवेदनशीलता है।

उन्होंने लिखा, भारत को अमेरिका के लिए अपेक्षाकृत कम व्यापार जोखिम और विशेष रूप से कम और घटते स्तर के विदेशी इक्विटी स्वामित्व से लाभ होता है।

वैश्विक ब्रोकरेज का मानना है कि ट्रंप 2.0 ट्रेड वॉर में वृद्धि का संकेत देता है ठीक वैसे ही जैसे निर्यात चीन के विकास में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बन जाता है और भारत को काफी हद तक लाभ होता है, अगर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार शत्रुता फिर से बढ़ती है।

ग्लोबल ब्रोकरेज ने कहा, ट्रम्प की नकारात्मक व्यापार नीतियों के प्रति क्षेत्रीय बाजारों में से सबसे कम प्रभाव भारत पर पड़ता नजर आता है। इसके अलावा, ऊर्जा की कीमतें स्थिर रहने तक, मजबूत होते अमेरिकी डॉलर के दौर में भारत विदेशी मुद्रा स्थिरता का एक अच्छा उदाहरण हो सकता है।

एचडीएफसी बैंक को ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2024 में भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक चुना गया

मुंबई, भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) द्वारा आयोजित ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2024 में भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा प्रकाशित एक प्रमुख वैश्विक व्यावसायिक प्रकाशन प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) निजी बैंकों और उनके संचालन वाले क्षेत्रीय वित्तीय केंद्रों की विकास रणनीतियों का विश्लेषण करने में माहिर है। ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स ने खुद को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित निजी बैंकिंग पुरस्कारों के रूप में मजबूती से स्थापित किया है और अब अपने सोलहवें वर्ष में हैं।

पीडब्लूएम ने अपनी वेबसाइट पर कहा, भारत के सबसे बड़े निजी स्वामित्व

वाले बैंक का हिस्सा एचडीएफसी प्राइवेट बैंकिंग ऐसे देश में गति बना रहा है जहां संपत्ति तेजी से बढ़ रही है।

एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, प्राइवेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, डिजिटल इकोसिस्टम और बैंकिंग एज ए सर्विस (बीएएएस) श्री राकेश के सिंह के अनुसार, संपत्ति में इस तेज उछाल को बनाए रखने के लिए एक हब-एंड-स्पोक बिजनेस मॉडल का निर्माण करना और साथ ही बैंक के कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करना महत्वपूर्ण है। श्री राकेश के सिंह ने कहा, हमें प्रोफेशनल वेल्थ मैनेजमेंट (पीडब्लूएम) से यह पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस हो रहा है। यह पुरस्कार ग्राहकों की सेवा के लिए हमारी टीम के समर्पण और लगभग तीन दशकों से एचडीएफसी बैंक पर उनके भरोसे का प्रमाण है। एचडीएफसी बैंक ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर देता है और विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में पैदा होंगी 1.2 करोड़ से ज्यादा नौकरियां-रिपोर्ट

नई दिल्ली, । भारत की इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री काफी तेजी से बढ़ रही है और यह 25 से 30 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ आने वाले वर्षों में 1.2 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। यह जानकारी सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि इन 1.2 करोड़ नौकरियों में से 30 लाख प्रत्यक्ष और 90 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

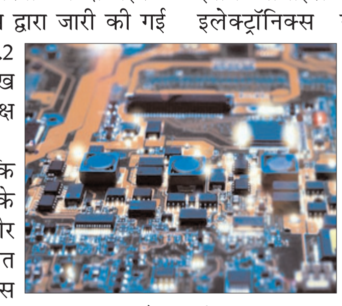

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत के विकास को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए 1 करोड़ प्रशिक्षित पेशेवरों की भारी कमी के इस अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2030 तक देश को 500 अरब डॉलर का इलेक्ट्रिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने के लक्ष्य के कारण भारत की इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जैसे-जैसे इंडस्ट्री संचार और प्रसारण इलेक्ट्रॉनिक्स, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स और एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में विविधता ला रही है, विशेष कौशल की मांग बढ़ गई है। भारत इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में वैश्विक लीडर बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 23 में घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 101 अरब डॉलर रहा था। इसमें मोबाइल फोन का 43 प्रतिशत, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स का 12 प्रतिशत, इंडस्ट्रीयल इलेक्ट्रॉनिक्स का 12 प्रतिशत और ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स का 8 प्रतिशत योगदान है। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के सीईओ ए.आर. रमेश ने कहा, वित्त वर्ष 2027-28 तक इंडस्ट्री को 1.2 करोड़ पेशेवरों की आवश्यकता होगी। इसमें 30 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां और 90 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां होंगी। फिर भी 1 करोड़ का चौंका देने वाला कौशल अंतर बना हुआ है। इस अंतर को पाटने के लिए कौशल विकास पर मजबूत ध्यान देने की की सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों में 1.97 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव (ईएलआई) ने एक मजबूत आधार तैयार किया है।

स्वामी ,मुद्रक ,प्रकाशक ,संपादक -ब्रजेश शुक्ला c/o के. के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं.2 कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल-dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com

समय सीमा में लंबित प्रकरणों और आवेदनों का निर्धारित समय पर निराकरण करें: कलेक्टर

कलेक्टर ने राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को बेहतर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए

कवर्धा (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने आज यहां समय सीमा की बैठक लेकर बैठक की एजेंडे में शामिल लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समय सीमा बैठक की तभी सार्थकता है,जब इस एंजेडे में शामिल लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण निराकरण हो। कलेक्टर ने विभागीय काम-काज की समीक्षा करते हुए राज्य शासन से प्राप्त आदेश एवं दिशा-निर्देशों की क्रियान्वयन करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अजय त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर डॉ मोनिका कोडो, सहित समस्त एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले के सभी 108 धान उपर्जान केन्द्रों में व्यवस्था दुरूस्त रखें, कहीं कोई भी शिकायत आती है, तो उसका प्राथमिकता में समाधान रखे और किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करे। कलेक्टर ने जिले में आने वाले धान के अवैध परिवहनों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए और अधिकारियों को अपनी सूचना तंत्र विस्तार तथा मजबूत बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी की समीक्षा की। यहां बताया गया कि जिले में 108 धान उपर्जान केन्द्र है, सभी में आवश्यक और मूलभूत सुविधाएं बनाई गई है। वर्तमान में 94 धान खरीदी केन्द्रों में खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले में बरदाना की कमी नहीं है, राज्य शासन से और बारदाना की मांग की गई है। बारदाना की 600 गठान प्राप्त हो चुके है, इसके अतिरिक्त 549 बारदाना की गाठान और मांग की गई है। कलेक्टर ने कहा कि धान नाप-तौल में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। जिला विपणन अधिकारी श्री किशोर चन्द्रा ने बताया कि 21 नवम्बर के लिए जिले के 75 धान उपार्जन केन्द्रों में कुल 954 टोकन जारी किए गए है, जिसमें समिति द्वारा टोकन 154 और राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए शुरू की गई टोकन तुंहर द्वार हाथ ऐप के माध्यम से 800 टोकन जारी किया गया है। 21 नवम्बर को 54 हजार 455 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। जिले में अब तक 1 लाख 68 हजार 58 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने बैठक में केन्द्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता वाली जनमन योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्वीकृत सभी कार्यो में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के सख्त निर्देश दिए। उन्होने इस योजना के तहत स्वीकृत आवास, सामुदायिक भवन, सड़क, छात्रावास, आंगनबाडी भवनों की ग्राम वार समीक्षा की। कलेक्टर ने चिल्फी से रेंगाखार मार्ग, चिल्फी से धवाईपानी मार्ग एनएच की सड़क, और कवर्धा शहर के ठाकुर पारा से न्यू बस स्टेण्ड मार्ग की स्वीकृत सड़कों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में खाद्य गोदाम निर्माण कार्य की प्रगति, अमृत सरोवर निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, आयुष्मान कार्ड, जल जीवन मिशन, सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की।

पैरालिगल वालिन्टियर के लिए आवेदन 30 तक

कवर्धा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कबीरधाम के क्षेत्रान्तर्गत स्थापित विभिन्न लिगल एड क्लिनिक में समाज के पीड़ित एवं जरूरतमंद को निःशुल्क विधिक सेवा, सहायता उपलब्ध कराने के लिए पैरालिगल वालिन्टियर की आवश्यकता है। इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कबीरधाम में 30 नवंबर 2024 समय 5 बजे स्वतः उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि एवं समय के बाद किसी भी माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नही किएं जाएंगे। उक्त पद पूर्णतः अस्थायी है। कम्प्यूटर का ज्ञान होना अनिवार्य है। स्थानीय व्यक्ति, समाज सेवा में जुड़े व्यक्ति, सेवानिवृत्त शासकीय सेवा, महिलाओं को एवं अतिरिक्त योग्यता रखने वाले जैसे ड्राईविंग ज्ञान अथवा अन्य तकनीकी ज्ञान रखने वाले व्यक्ति, को प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त कार्य हेतु कोई वेतन देय नहीं होगा। नियमानुसार न्यूनतम मानदेय दिया जाएगा। आवेदन पत्र का प्रारूप जिला एवं सत्र न्यायालय की आधिकारिक से डाउनलोड कर सकते है। चयन की तिथि 06 दिसंबर 2024 समय 10.30 बजे से है।

स्वच्छता को आदत और संस्कार में बदलना प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य : विजय शर्मा

कवर्धा (दैनंदिनी)। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर आज उपमुख्यमंत्री व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री विजय शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के सभी विकासखंडों में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान का शुभारंभ किया। यह 22 दिवसीय अभियान स्वच्छता और शौचालयों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश भर में चलाया जाएगा। कबीरधाम जिले में इस अवसर पर जिला कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ज़िला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला भट्ट सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीण विकास से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर संबोधित

करते हुए कहा कि स्वच्छता को आदत और संस्कार में बदलना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे हर नागरिक को निभाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने देशभर में जागरूकता फैलाने का काम किया है और अब इसे जन-आंदोलन में बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खुले में शौच की प्रथा को समाप्त करने और स्वच्छता का स्तर सुधारने में सरकार के साथ-साथ आम जनता की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने से हम एक स्वस्थ और स्वच्छ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय प्रशासन और समुदायों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री रामकुमार भट्ट, श्री मुखीराम मरकाम, जनपद उपाध्यक्ष डॉ. बीरेन्द्र साहू, जिला पंचायत सीईओं श्री अजय त्रिपाठी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंच उपस्थित थे।

जिला स्तरीय बस्तर ओलम्पिक 20 से 24 तक

कोंडागांव। जिला स्तरीय बस्तर ओलम्पिक का आयोजन 20 से 24 तक किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 20 को विकासनगर स्टेडियम कोण्डागांव में प्रातः 11 बजे होगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखण्ड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी ही शामिल होंगे। जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रस्साकसी, एथलेटिक्स, विकासनगर स्टेडियम कोण्डागांव में, कराते टाउनहॉल कोण्डागांव में, खो-खो एन.सी. ग्राउण्ड कोण्डागांव में, व्हालीवॉल एवं कबड्?डी खेल परिसर बड़कनेरा रोड कोण्डागांव में और बैडमिंटन विकास नगर इण्डोर स्टेडियम तीरंदाजी खेलो इण्डिया सेंटर कोण्डागांव में सम्पन्न होंगी। साथ ही 24 नवम्बर 2024 को फुटबाल विकासनगर स्टेडियम में, वेटलिफ्टिंग टाउन हॉल में और हॉकी, आदर्श विद्यालय फरसगांव में आयोजित किया जाएगा। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम 2000/- द्वितीय 1500/- एवं तृतीय 1000/- की राशि एवं दलीय खेल में प्रथम 4000/- द्वितीय 3000/- तृतीय 2000/- राशि पुरस्कार स्वरूप दिया जाएगा इसके साथ ही मेरिट प्रमाण पत्र ट्राफी एवं समस्त खिलाड़ियों को भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाएगा।

कृषक जागरूकता सह आदान सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन

कवर्धा (दैनंदिनी)। कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग इंदिरा गांधी कृषि विष्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन 18 नवंबर को ''जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव एवं प्रतिरोधक कृषि तकनीक'' विषय पर कृषक जागरूकता सह आदान सामाग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अनुसूचित जाति विशेष कार्यक्रम अंतर्गत फसल प्रदर्शन भी आयोजित किया जा रहा है। योजनांतर्गत चयनित ग्राम बिरकोना, धरमपुरा एवं नेवारी में चना, अलसी एवं तिवड़ा के फसल का प्रदर्शन लिया जा रहा है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य उन्नत उत्पादन और जोखिम प्रबंधन प्रौद्योगिकियों के विकास और अनुप्रयोग के माध्यम से जलवायु परिवर्तनशीलता और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों, पशुधन और मत्स्य पालन को कवर करने वाली भारतीय कृषि की लचीलापन को बढ़ाना है। वर्तमान जलवायु जोखिमों के अनुकूल होने के लिए किसानों के खेतों पर साइट विशिष्ट प्रौद्योगिकी पैकेजों का प्रदर्शन करना। जलवायु अनुकूल कृषि अनुसंधान और इसके अनुप्रयोग में वैज्ञानिकों और

अन्य हितधारकों की क्षमता को बढ़ाना। वैज्ञानिक कृषि मौसम विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. जे. एल. चौधरी ने बताया कि इस परियोजना के तहत किसानों को जलवायु परिवर्तन से कृषि पर होने वाले परिणाम तथा उनसे बचने के उपाय से अवगत कराया, जिससे उनकी फसल की लागत को कम कर, अधिक मुनाफा ले सकें। मौसम के विपरित प्रभाव से होने वाले हानि से बचने के लिए दलहन, तिलहन के खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डॉ. बी. पी. त्रिपाठी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने जलवायु परिवर्तन से कीट एवं रोग संक्रमण में होने वाले प्रभावों एवं उनके बचने के उपायों के बारे में अवगत कराया। इस कार्यक्रम में श्री बालबृन्द सिंह परिहार और इंजी. टी. एस. सोनवानी, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र एवं 100 से अधिक कृषक मौजूद थे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

कवर्धा (दैनंदिनी)। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे नागरिकों, आमजनों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण करने संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

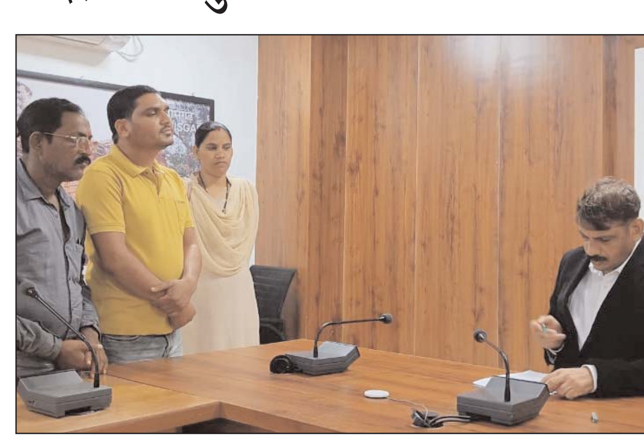

आज जनदर्शन में ग्राम कवंलपुर निवासी अशोक भास्कर ने फसल को चोरी से काट कर ले जाने तथा न्यायालय के आदेश की अवमानना संबधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने पुलिस विभाग के अधिकारी को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सुखचंद जोशी ने जमीन विवाद के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने सहसपुर लोहारा तहसीलदार को जांच कर प्रकरण का निराकरण करने निर्देश दिए। ग्राम मड़मड़ा निवासी परमेश्वर विश्वकर्मा ने श्रमिक भुगतान के लिए आवेदन दिया, ग्राम पंचायत घुरकुण्डी के ग्रामीणों ने अनियमितता की जांच करने आवेदन दिया। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारी को जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए। इस प्रकार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

कलेक्टर ने 87 असहाय बच्चों के लिए स्वीकृत की स्पॉन्सरशिप योजना

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने असहाय एवं अनाथ बच्चों के बेहतर भविष्य एवं उनके देखभाल के लिए संवेदनशील कदम उठाते हुए महत्वपूर्ण स्वीकृति दी है। उन्होंने जिले के 87 असहाय बच्चों को स्पॉन्सरशीप योजना का लाभ दिलाने की स्वीकृति दी है। इसके तहत अनाथ एवं असहाय बच्चों को प्रतिमाह 4 हजार रूपये की सहायता राशि मिलेगी। जिससे उनके देखभाल, भरणपोषण एवं पढ़ाई लिखाई में सहायता होगी। स्पॉन्सरशीप योजना से लाभ दिलाने महिला एवं बाल विकास विभाग के समक्ष आवेदन प्राप्त हुए थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आवेदनों की समीक्षा करते हुए अनाथ बच्चों की भलाई के लिए संवेदनशील कदम उठाते हुए एक साथ 87 बच्चों के लिए योजना की स्वीकृति दी। स्पान्सरशीप योजना के तहत बच्चों के अधिकार व संरक्षण के क्षेत्र में आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर परिवार में निवासरत विशेष देख-रेख वाले बच्चे, अनाथ, परित्यक्त बच्चों को उनके स्कूलों में पढ़ाई करने एवं उन्हे आधारभूत वस्तुएं उपलब्ध कराने हेतु सहायता दी जाती है। जिसमें नवीन 87 बच्चों को स्पांसरशीप योजना से लाभान्वित किया गया। इसके पूर्व में 189 से अधिक बच्चों को भी लाभान्वित किया जा चुका है। स्पांसरशीप योजना अंतर्गत प्रति माह राशि 4 हजार रूपये से लाभान्वित किये जाने हेतु स्पांसरशीप समिति की बैठक आहुत की गई थी। स्पांसरशीप एवं फास्टर केयर समिति के अध्यक्ष कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक कुमार पाण्डेय, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपा शाह, जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी, बाल कल्याण समिति के

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन और ओडिशा सरकार झारसुगुड़ा में 500 आंगनबाड़ी केन्द्रों को नंद घरों में परिवर्तित करेंगे

रायपुर। राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर अनिल अग्रवाल फाउंडेशन ने जिला समाज कल्याण कार्यालय के साथ एक करार (मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर दस्तखत किए हैं जिसके तहत झारसुगुड़ा में 500 आंगनवाड़ी केन्द्रों को अपग्रेड कर के अत्याधुनिक नंद घरों में तब्दील किया जाएगा। नंद घर, आंगनवाड़ी का उन्नत रूप है जो महिला एवं बाल विकास केन्द्र के तौर पर काम करता है। इस महत्वपूर्ण सहयोग के मौके पर गणमान्य व्यक्तियों में श्रीमती अबोली नरवणे, जिला मजिस्ट्रेट व कलेक्टर, झारसुगुड़ा; श्री सुरेश पुजारी, राजस्व मंत्री, ओडिशा सरकार; श्री टंकाधर त्रिपाठी, एमएलए, झारसुगुड़ा; श्रीमती पुन्यबती हेलेन ऐक्सैस, जिला समाज कल्याण अधिकारी, झारसुगुड़ा; श्री राधाकांता गरतिया, जिला शिक्षा अधिकारी, झारसुगुड़ा शामिल थे।

झारसुगुड़ा वेदांता के एल्यूमिनियम प्रचालन का घर है और दुनिया का सबसे बड़ा एल्यूमिनियम स्मेल्टर यहां मौजूद है। वेदांता एल्यूमिनियम के कर्मचारी कम्पनी के सामुदायिक विकास कार्यों में सक्रियता व स्वेच्छा से योगदान देते हैं और स्वास्थ्य, शिक्षा, जमीनी स्तर पर खेलों व संस्कृति आदि संबंधी गतिविधियों में शामिल होते हैं। स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने व विद्यार्थियों की मेंटरिंग से लेकर स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित व प्रचारित करने तक कम्पनी के कर्मचारियों के प्रयासों ने समुदायों पर दीर्घकालिक प्रभाव डाला है। ये समर्पित लोग अपनी पेशेवर भूमिका से परे जाकर भरोसे व सशक्तिकरण का पुल बनाते हैं, सस्टेनेबल प्रगति को पोषित करते हैं और वेदांता एल्यूमिनियम के प्रचालन क्षेत्रों में सकारात्मक असर कायम करते हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम के मुख्य प्रचालन अधिकारी श्री सुनील गुप्ता ने इस समझौते का स्वागत करते हुए तथा जमीनी स्तर पर विकास हेतु कम्पनी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''वेदांता में हम अपने प्रचालन स्थल के समुदायों में सस्टेनेबल विकास एवं समावेशी वृद्धि के लिए गहनता से समर्पित हैं। नंद घर नामक पहल के जरिए हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी और महिलाओं को उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक साधन प्रदान करना है। हमें गर्व है कि झारसुगुड़ा जिला विभागों के साथ मिलकर हम इस विचार को यथार्थ रूप दे रहे हैं ताकि इस क्षेत्र में प्रभावी एवं दीर्घकालिक प्रगति सुनिश्चित हो सके।''

विकास के लिए किए जा रहे वेदांता के प्रयासों को सराहते हुए झारसुगुड़ा की जिला मजिस्ट्रेट व कलेक्टर श्रीमती अबोली नरवणे ने कहा, ''झारसुगुड़ा के आंगनवाड़ी केन्द्रों में रूपांतरकारी बदलाव हेतु वेदांता के सहयोग का हम स्वागत करते हैं। नंद घर की पहल से ऐसे केन्द्रों की रचना हो रही है जहां बच्चों एवं महिलाओं के समग्र कल्याण एवं वृद्धि के लिए सुरक्षित स्थल बनाने के साथ ही उनके शिक्षण हेतु केन्द्र भी बनेंगे। यह एमओयू सामुदायिक विकास के हमारे साझे विज़न की दिशा में एक अहम कदम है।'' झारसुगुड़ा के एमएलए श्री टंकाधर त्रिपाठी ने कहा, ''यह भागीदारी एक साझा सोच को प्रदर्शित करती है जो जमीनी स्तर पर सामुदायिक संसाधनों को बढ़ाने के लिए है। इस अपग्रेड के बाद नंद घर बच्चों व महिलाओं को सशक्त करेंगे और झारसुगुड़ा के समुदायों की अर्थपूर्ण वृद्धि सम्भव होगी।''

बेहरमाल के एमसीएल सामुदायिक केन्द्र में एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने के साथ ही बालदिवस कार्यक्रम 'दुकान जात्रा' भी आयोजित किया गया जिसमें 3,500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें 60 स्कूलों के विद्यार्थी, समुदाय के सदस्य और वेदांता एल्यूमिनियम के कर्मचारी वॉलंटियर शामिल थे। इस कार्यक्रम में उद्यमिता प्रदर्शन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने 60 से ज्यादा स्टॉल लगाए और खुद बनाए गए उत्पादों की विभिन्न रेंज प्रस्तुत की जिनमें हस्तशिल्प से लेकर खानेपीने की वस्तुएं शामिल थीं, इससे विद्यार्थियों के रचनात्मक एवं उद्यम कौशल को बढ़ावा मिला।

शैलेन्द्र सिंह ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी से रेफर प्राइवेट पेशेंट के लिए एंबुलेंस सुविधा की मांग की

दंतेवाडा/किरंदुल। दंतेवाडा जिला आगमन पर आए छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी को दंतेवाडा विधायक चैतराम अटामी जी के नेतृत्व में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, जितेन्द्र गुप्ता, सुनील गुप्ता, मणिकुट्टन नायर तथा सरस्वती डहरिया के द्वारा आपातकालीन सेवा (रेफर केश) हेतु एंबुलेंस सेवा का संचालन के लिए वित्त मंत्री जी को ज्ञापन सौंपा गया। वित्त मंत्री ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए दंतेवाडा जिला कलेक्टर को आदेशित किया। विदित हो कि आपातकालीन रोगी रेफर केश जो कि किरंदुल एवं बचेली से प्राइवेट पेशेंट को दंतेवाडा, जगदलपुर एवं रायपुर जाने के लिए कोई शासकीय एवं

एनएमडीसी परियोजना द्वारा कोई एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं है। जिससे प्राइवेट पेशेंट को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जब की एन एम डी सी परियोजना के कर्मचारियों को रेफर सुविधा परियोजना की ओर से मुहैया कराया जाता है। परन्तु आम नागरिकों को कोई इस तरह की सुविधा नहीं होने से किरंदुल एवं बचेली की जनता इस आपातकालीन रेफर केश में अपने को अहसाय महसूस करती हैं।

स्वरोजगार स्थापना के लिए जागरूकता शिविर 21 को

कोण्डागांव। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजनाओं एवं औद्योगिक नीति के संबंध में एक दिवसीय जागरूकता शिविर 21 को दोपहर 12 बजे नगर पंचायत, केशकाल में आयोजित किया जा रहा है। उक्त शिविर में क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, निवास, जाति प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत का अनापति, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ उपस्थित हो सकते हैं। उक्त शिविर में सेवा क्षेत्र ग्राहक सेवा केन्द्र, मोटर सायकल रिपेयरिंग, सिलाई, मोबाईल रिपेयरिंग और निर्माण क्षेत्र ईंट निर्माण, वेल्डिंग, जालीतार निर्माण, पापड़, आचार निर्माण, फर्नीचर इत्यादि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापना के लिए सहायता प्रदाय की जाएगी।

समाचार संक्षेप

गृह विभाग सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने गृह विभाग के सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है. हाई कोर्ट के सीटिंग जज नरेंद्र कुमार व्यास की अध्यक्षता में गठित बोर्ड में दो सेवानिवृत्त जज नवल किशोर अग्रवाल और विमला सिंह कपूर को सदस्य बनाया गया है. इस संबंध में छत्तीसगढ़ राजपत्र में अधिसूचना जारी की गई है।

पत्थर खदान में मिली महिला की लाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के ढाबाडीह गांव के बंद पड़े पत्थर खदान में अज्ञात महिला की लाश मिली है। महिला का शव खदान में पानी के अंदर मिला। पानी के बाहर आस-पास खून और घसीटने के निशान भी मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है। महिला की कुर्ती की जेब से पांच-पांच सौ रुपए की 3 गड्डियां भी बरामद हुई हैं। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। घटना बलौदाबाजार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। फिलहाल, महिला की पहचान नहीं हुई है।

अरुण पति त्रिपाठी के खिलाफ अब सीबीआई करेगी जांच

रायपुर। छग में शराब में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामले में घिरे भारतीय दूर संचार सेवा (आईटीएस) के अफसर अरुण पति त्रिपाठी के खिलाफ अब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई जांच करेगी। छत्तीगसढ़ सरकार ने त्रिपाठी के खिलाफ सीबीआई जांच को मंजूरी दे दी है। बता दें कि त्रिपाठी भारतीय दूर संचार सेवा के अफसर हैं और छत्तीसगढ़ में प्रतिनियुक्ति पर सेवाएं दे रहे थे। यहां आबकारी विभाग में विशेष सचिव रहने के दौरान उन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। त्रिपाठी के खिलाफ ईडी और एसीबी की जांच चल रही है। त्रिपाठी के खिलाफ झारखंड में भी शराब घोटाला का आरोप लगा है।

एक पेड़ मां के नाम, सीआरपीएफ के बस्तरिया बटालियन परिसर में लगाया नीम का पौधा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन 241 वाहिनी के परिसर में नीम का पौधा रोपा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का अनूठा प्रयास है, जिसमें सभी लोग स्वस्फूर्त अपनी भागीदारी दे रहे हैं। श्री साय ने सभी से एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से हम न केवल पर्यावरण को सुरक्षित करते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण का उपहार देते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक के बाद अचानक सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन के कैंप पहुंचे थे। वृक्षारोपण के दौरान सीआरपीएफ बस्तरिया बटालियन के सुरक्षा बल के जवान उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय आज दिल्ली के दौरे पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 20 नवंबर को नई दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। वे कल सुबह 11.30 बजे नई दिल्ली पहुँचेंगे। शाम 5:30 बजे भारत मंडपम के एम्फीथिएटर-1 में 'छत्तीसगढ़ राज्य दिवस' समारोह में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांकरा उद्वहन सिंचाई परियोजना के कार्यो के लिए 14.57 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के विकासखंड बरमकेला के अंतर्गत सांकरा मेगा उद्वहन सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों हेतु 14 करोड़ 57 लाख रूपए स्वीकृत किए है। इस योजना के निर्माण कार्य हो जाने पर करीब 747 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ एवं रबी की फसलों के लिए सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन द्वारा मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को परियोजना के कार्यों को कराने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

जीआरपी की काली करतूतें उजागर: गांजा तस्करी में लिप्त 4 जवान गिरफ्तार

रायपुर > दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ की शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की छवि पर बड़ा दाग लगा है। पिछले पांच से सात सालों में जीआरपी के जवानों और अधिकारियों द्वारा संगठित रूप से गांजे की तस्करी का बड़ा रैकेट चलाए जाने का खुलासा हुआ है। जांच में करोड़ों रुपए के लेनदेन और कई राज्यों में नेटवर्क फैलाने की जानकारी सामने आई है।

डीजीपी ने जांच सौंपी, बड़े अधिकारियों की भूमिका पर सवाल- मामले की गंभीरता को देखते हुए डीजीपी अशोक जुनेजा ने जांच की जिम्मेदारी बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह को सौंपी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जीआरपी के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवैध धंधे से करोड़ों रुपए कमाए।

खुफिया विभाग की जांच में हुआ पर्दाफाश- खुफिया पुलिस को जीआरपी जवानों के रैकेट के बारे में सूचना मिली थी। इंटेलिजेंस चीफ अमित कुमार ने सात अधिकारियों की टीम बनाकर तीन महीने तक हावड़ा-मुंबई और वाल्टेयर लाइन पर निगरानी रखी। इस दौरान करीब ढाई सौ ट्रेनों में गुप्तचरों ने सफर कर जानकारी जुटाई। रिपोर्ट के बाद चार जवानों को गिरफ्तार किया गया है।

15 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन- जांच के दौरान जीआरपी के 45 बेनामी खातों का पता चला, जो जवानों के नाते-रिश्तेदारों के नाम पर खोले गए थे। इन खातों में 15 करोड़ रुपए का लेनदेन सामने आया है। माना जा रहा है कि यह धन गांजे की तस्करी से प्राप्त हुआ था।

कई राज्यों तक फैला नेटवर्क- जांच में खुलासा हुआ कि जीआरपी के जवान ट्रेनों में गांजा जब्त कर उसे बेचने का धंधा करते थे। 2018 के बाद उन्होंने खुद का रैकेट बनाकर उड़ीसा से गांजे की खरीद शुरू कर दी। यह नेटवर्क उड़ीसा, झारखंड, महाराष्ट्र और कोलकाता तक फैला था। वर्दी का फायदा उठाकर इन लोगों ने धंधे को विस्तार दिया और पकड़े जाने के डर से बेफिक्र रहे।

शीर्ष अधिकारियों का संरक्षण- तस्करी में मिले पैसों का बड़ा हिस्सा शीर्ष अधिकारियों तक पहुंचने की बात सामने आई है। यहां तक कि एक आईपीएस अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।

एसपी रजनेश सिंह का बयान- एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जीआरपी के गांजा तस्करी रैकेट से जुड़े गंभीर सबूत मिले हैं। कोलकाता से एक ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया गया है, जो जीआरपी के सरकारी निवास में ठहरता था। उन्होंने बताया कि विस्तृत रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को सौंपी जाएगी।

डबल मर्डर से राजधानी में हड़कंप, 3 संदेही हिरासत में

रायपुर > दैनन्दिनी.

राजधानी में डबल मर्डर से हड़कंप मच गया है। शराब दुकान के बाहर विवाद के बाद युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद हत्या से गुस्साए मृतक युवक के दोस्तों ने अपहरण कर दूसरे युवक की भी हत्या कर दी। इस घटना के बाद से सनसनी फ़ैल गई है। फिलहाल पुलिस ने संदेहियो को हिरासत में ले लिया है। दरअसल यह पूरा मामला विधानसभा थाना क्षेत्र का है। जहां पर शराब दुकान के बाहर हुए विवाद के बाद एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, हरीश नाम के एक युवक ने अपने साथियों के साथ रोहित की हत्या की है। इसके बाद मृतक युवक के गुस्साए दोस्तों ने हरीश का अपहरण कर उसकी भी हत्या कर दी।

संदिग्धों से पुलिस कर रही पूछताछ- चाकूबाजी की घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे और शराब दुकान से सीसीटीवी फुटेज हासिल कर मामले की पड़ताल में जुट गए हैं। घटना के बाद पुलिस 3

संदेहियों को लिया हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आमासिवनी स्तिथ शराब दुकान में हुई चाकूबाजी का सीसीटीवी फुटेज सामने आए है।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि बदमाशों ने हरीश की हत्या की है। पुलिस बदमाशों को पकड़ने के बजाय हरीश के पिता तथा चाचा के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें जबरन उठाकर थाने ले गई। पुलिस के मुताबिक, चाकूबाजी की घटना में आमासिवनी निवासी हरीश साहू और ओडिशा निवासी रोहित सागर की मौत हुई है। हरीश के भाई आदित्य ने बताया कि, आमासिवनी शराब दुकान के पास कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। इस दौरान उसका भाई विवाद सुलझाने के लिए गया। इसके बाद वह वापस लौट आया। इस दौरान बदमाशों के ग्रुप ने रोहित सागर की चाकू मारकर हत्या कर दी।

सीसीटीवी फुटेज आया सामने- शराब दुकान शराब दुकान में मारपीट करने का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है। जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा बदमाश रोहित के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं, सीसीटीवी में हरीश भी दिख रहा है। बदमाशों के हाथ में लकड़ी का बत्ता दिख रहा है, जिसमें बदमाश रोहित पर बत्ते से वार करते नजर आ रहे हैं। साथ ही एक बदमाश लकड़ी के बत्ते से शराब दुकान की खिड़की को ठोकते नजर आ रहा है।

मोहल्ले से अपहरण कर ले गए- हरीश के भाई के मुताबिक, 25-30 की संख्या में बदमाश आमासिवनी के पास से हरीश का अपहरण अपहरण कर किसी अज्ञात स्थान पर ले गए।

रायपुर में युवक पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाया,3 गिरफ्तार

रायपुर > दैनन्दिनी.

रायपुर में एक युवक पर पेट्रोल छिड़ककर उसे जिंदा जला दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक का पैर जलाना चाहते थे, लेकिन आग शरीर पर फैल गई। घायल युवक 75 प्रतिशत जल चुका है। गंभीर हालत में डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर मंदिर चौक का है। मिली जानकारी के मुताबिक हेमलाल देवांगन घुमंतू था। वह मंदिर के सामने बरगद पेड़ के नीचे सोता था। सोमवार की रात 2 बजे के करीब 3-4 लड़के हेमलाल के पास पहुंचे। बाइक से पेट्रोल निकालकर पहले से रखे थे। आरोपियों ने पेट्रोल को हेमलाल पर छिड़ककर आग लगा दी। पुलिस ने मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान हेमलाल देवांगन आग लगी हालत में सड़क पर चिल्लाते हुए भागने लगा।

चीख-पुकार सुनकर लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से डीकेएस अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि हेमलाल 75 प्रतिशत जल चुका है। पुरानी बस्ती थाना प्रभारी योगेश कश्यप का कहना है तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में संलिप्त दोपहिया वाहन, लाइटर और अन्य सामान जब्त किया गया है। चबूतरे पर सोने को लेकर हुए विवाद में तीनों ने इस वारदात अंजाम दिया।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर अड़े नगरीय निकाय कर्मी, हड़ताल की तैयारी

रायपुर > दैनन्दिनी.

6 सूत्रीय मांगों को लेकर नगरीय निकायों के कर्मचारी 11 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने जा रहे हैं। इससे पहले 12 नवंबर से 14 नवंबर तक कर्मचारियों ने बिलासपुर में हड़ताल किया था। लेकिन शासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। नवनियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि, 6 सूत्रीय मांगों पर शासन कोई सार्थक पहल नहीं कर रहा है। अब तक सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है। नगरीय निकाय के कर्मचारी आगामी चुनाव में परिवार सहित मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे। कर्मचारियों ने इससे संबंधित प्रपत्र भरवाकर जिला कलेक्टर बिलासपुर और विभागीय मंत्री नगरीय प्रशासन को पत्र भेजा है।

नगरीय निकाय के अधिकारी नहीं कर रहे आदेश का पालन- प्रांतीय अध्यक्ष ने बताया है कि, वर्तमान में छत्तीसगढ़ के कई नगरीय निकायों में एक से तीन माह का वेतन भुगतान लंबित है। इस बारे में विभागीय मंत्री अरूण साव ने नगरीय निकाय के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है। राज्य शासन ने 1 तारीख को वेतन भुगतान करने के लिए आदेश जारी किया है लेकिन निकायों के अधिकारी आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। इसलिए 184 नगरीय निकाय कर्मचारियों ने 11 दिसंबर 2024 से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का ऐलान किया है।

ये हैं कर्मचारियों की मांगे

1. लंबित वेतन भुगतान सहित 1 तारीख को ट्रेजरी के जरिए वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए।
2. नगरीय निकायों के प्लेसमेंट ठेका पद्धति को खत्म किया जाए।
3. ओल्ड पेंशन योजना जल्द लागू किया जाए।
4. मृत कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाए।

लड़की से बात करने पर छात्रों के बीच मारपीट

रायपुर > दैनन्दिनी.

रायपुर के एमिटी यूनिवर्सिटी में एक लड़की से बात करने को लेकर हॉस्टल में छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गई। मारपीट में कई लड़के घायल हो गए। घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। तीन दिन से छात्र इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी कर रहे हैं। छात्रों के अनुसार, बीबीए फर्स्ट ईयर के छात्र हर्ष चंद्रसेन और फैजल खान के बीच क्लास में एक लड़की से बात करने को लेकर पुराना विवाद था। फैजल ने हर्ष को उस लड़की से बात करने से मना किया था यहीं से विवाद शुरू हुआ।

मना करने के बाद भी हर्ष ने फैजल की बात नहीं मानी। जिसके बाद 15-16 नवंबर की रात फैजल अपने दो दोस्तों फहाद और श्रीजन अख्तर के साथ बॉयज हॉस्टल में हर्ष के कमरे में पहुंचा, वहां विवाद हुआ। दोनों के बीच विवाद बढ़ता देख बाकी छात्रों ने हर्ष को उसके कमरे में बंद कर दिया। छात्रों ने मारपीट के बाद एक वीडियो बनाया है। जिसमें खिड़की से कांच के टुकड़े पूरे कमरे में बिखरे पड़े हैं। हर्ष नाम के एक छात्र के सिर पर भी चोट आई है। उस पर कमरे में बाकी सामान तोड़फोड़ करने का आरोप है। हॉस्टल के छात्रों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि, विवाद वाली रात हॉस्टल में आए लड़के लाठी-डंडे के साथ देसी कट्टा भी लेकर आए थे। चाकू लहराने के साथ ही दूसरे पक्ष के छात्र ने कट्टा लहराया। हमने कॉलेज प्रबंधन से इसकी शिकायत की है।

इस विवाद के बाद हर्ष को फोन कर जान से मरने की धमकी दी जा रही है। फ़ोन पर एक शख्स कहता हुआ नजर आ रहा है कि जल्द से जल्द कोम्प्रो कर लो, वरना जिंदा गाड दूंगा।

विवि रजिस्ट्रार डॉ सुरेश ध्यानी ने बताया कि, इस घटना की शिकायत मिली थी। इसको लेकर 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। मुझे फिलहाल पूरी घटना की जानकारी नहीं है, जो दोषी हैं उन पर कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने एमिटी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि दोषी पक्ष एमिटी यूनिवर्सिटी के डिप्टी डायरेक्टर बिमलेश सिंह चौहान का बेहद करीबी है।

सरकार स्थानीय निकाय के चुनाव कार्यक्रम तत्काल घोषित करे : दीपक बैज

रायपुर > दैनन्दिनी.

कांग्रेस ने मांग किया है सरकार स्थानीय निकायों के चुनाव कार्यक्रम तत्काल घोषित करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने अभी तक स्थानीय निकायों के चुनाव कार्यक्रम को घोषित नहीं किया है। न ही वार्डो, निकाय अध्यक्षों, महापौरों के आरक्षण की प्रक्रिया को शुरू किया है। जबकि प्रदेश की अधिसंख्यक निर्वाचित निकायों का कार्यकाल दिसंबर के अंत तक समाप्त हो जायेगा, ऐसे में समय पर चुनाव कराने के लिये आवश्यक है कि चुनाव कार्यक्रम तुरंत घोषित किया जाये। चुनाव कार्यक्रम नहीं घोषित करने से साफ हो रहा सरकार की मंशा चुनावों को समय पर कराने की नहीं लग रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार हार के डर से स्थानीय निकायों के चुनाव को आगे बढ़ाना चाहती है। इसी संदर्भ में सरकार ने राजपत्र में अधिसूचना जारी करके नगरीय निकायों के कार्यकाल को 6 माह बढ़ाने को अधिसूचित किया है। इस अधिसूचना के माध्यम से भाजपा सरकार लोकतंत्र का गला घोटने जा रही है। निर्वाचित निकायों का कार्यकाल दिसंबर अंत में समाप्त होते ही सरकार प्रशासक अथवा अपने प्रतिनिधियों को मनोनीत कर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बेदखल करेगी तथा सभी निकायों में सरकार अपनी मनमानी चलायेगी। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में जिस प्रकार से भाजपा के खिलाफ माहौल है, सरकार फिर से चुनाव में जाने का साहस नहीं दिखा पा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार को पता है कि उसके पिछले 11 माह के कार्यकाल के कारण पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ आक्रोश है। यदि समय पर चुनाव हो जाते है तो भाजपा का नगरीय निकायों और स्थानीय निकायों में सफाया हो जायेगा इसीलिये सरकार ने निर्वाचित निकायों के कार्यकाल को 6 माह बढ़ाया है। संवैधानिक रूप से सरकार 6 माह से अधिक समय नहीं बढ़ा सकती इसलिये 6 माह ही बढ़ाया गया है।

विधानसभा परिसर में इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

रायपुर > दैनन्दिनी.

विधानसभा परिसर में आज पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. इस अवसर पर विधायक संगीता सिन्हा, संदीप साहू, भोलाराम साहू समेत अन्य विधायक और विधानसभा कर्मचारी उपस्थित रहे.

विस सत्र में उठेगा कानून व्यवस्था का मुद्दा- नेता प्रतिपक्ष महंत ने छत्तीसगढ़ की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, किसी भी प्रशासन या मुख्यमंत्री की पहली जिम्मेदारी राज्य और राजधानी के लोगों को सुरक्षित रखने की होती है. लेकिन बार-बार चेतावनी के बाद भी राजधानी में हत्याएं, लूट, चोरी और नशाखोरी ये सब रुकने का नाम नहीं ले रहा हैं. यह पूरी तरीके से साय सरकार नाकाम साबित हो रही हैं. इस मामले को विधानसभा सत्र में उठाया जाएगा। इसके अलावा किसानों की समस्याएं व धान खरीदी में गड़बड़ी का मामला उठेगा। नेता प्रतिपक्ष ने आगामी शीतकालीन विधानसभा सत्र पर कहा कि इस बार 16 से 20 दिसंबर तक सत्र है.

रेत का अवैध परिवहन कर रहे पांच वाहनों पर कार्रवाई

रायपुर > दैनन्दिनी.

बेलगाम रेत माफिया की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब रायपुर खनिज विभाग सक्रिय हुआ है. विभागीय टीम ने रेत का अवैध परिवहन कर रहे 5 वाहनों को नवापारा में पकड़कर कार्रवाई की है. गरियाबंद और धमतरी जिले के रेत घाटों से अवैध तरीके से रेत लेकर प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहन नवापारा शहर से गुजरकर रायपुर जाते हैं. दुर्घटना की आशंका को देखते हुए इन वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग को लेकर नवापारावासी विभिन्न स्तरों पर आवाज उठा चुके हैं, लेकिन संबंधित खनिज विभाग इस दिशा में हमेशा की तरह कुंभकरणी नींद में सोया रहता है. सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात रायपुर खनिज विभाग अचानक नींद से जागी, और रेत परिवहन कर जा रहे 5 भारी वाहनों को नवापारा में रोककर दस्तावेजों की जांच की, जिसमें रेत का अवैध परिवहन करना पाया गया. इसके बाद सभी वाहनों के विरुद्ध प्रकरण कायम कर उन्हें थाना गोबरा नवापारा परिसर में खड़ा कराया गया है. यह कार्रवाई रायपुर खनिज विभाग के सुपरवाइजर सुनील दत्त शर्मा के नेतृत्व में की गई है. यहां बताना जरूरी है कि केवल रेत ही नहीं बल्कि अभनपुर क्षेत्र में मुरूम का भी अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है.

अभनपुर का एक मुरूम माफिया क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में, पंचायत प्रतिनिधियों और जिम्मेदार विभाग के साथ सांठगांठ कर ग्राम गिरोला और ग्राम बेल्डीह में चौबीसों घंटे मुरूम का धड़ल्ले से अवैध खनन कर रहा है.

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरूद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com